10 रोहित शर्मा....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 तृषा...



रांची, बुधवार, 04 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -132 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



पूजा कुमारी
शिक्षिका, रांची, झारखंड

छात्राओं की शिक्षा केवल उनके व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त परिवार, जागरूक समाज और विकसित राष्ट्र की नींव है। शिक्षित बेटी अपने अधिकारों के प्रति सजग होती है और आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखती है। हर बेटी को शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **76,917.85**

निफ्टी :- **23,810.85**

मौसम

अधिकतम तापमान : **26**

न्यूनतम तापमान : **19**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:56**

संध्या :- **17:09**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1947 को कश्मीर के बड़गाम में अदम्य साहस दिखाने वाले मेजर सोमनाथ शर्मा को मरणोपरांत भारत का पहला परमवीर चक्र दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मानसिक रूप से विक्षिप्त पिता ने अपने ही बेटे की कुदाली से मारकर की हत्या

बेड़ो। बेड़ो के नरकोपी थाना स्थित बोबरो गांव के सिया टोली में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां मानसिक रूप से अस्वस्थ पिता ने अपने ही 17 वर्षीय बेटे की कुदाली से हमला कर हत्या कर दी. वारदात के समय बेटा घर में सो रहा था. इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है. जानकारी के मुताबिक, आरोपी पिता देवनाथ उरांव की मानसिक स्थिति लंबे समय से ठीक नहीं थी और वह अक्सर घर से भागने की कोशिश करता था. ऐसे में पिता किसी अप्रिय घटना को अंजाम न दे दे, इसलिए उसका 17 वर्षीय बेटा नितेश उरांव उसे घर में बंद रखता था. ऐसे में मंगलवार की सुबह जब नितेश गहरी नींद में सो रहा था, तभी मानसिक रूप से विक्षिप्त पिता ने बेटे के उसके सिर पर कुदाली से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

चतरा के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नौवीं की छात्रा की आत्महत्या

चतरा। झारखंड के चतरा जिले से एक बेहद दुखद और संवेदनशील मामला सामने आया है. कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में सोमवार की रात नौवीं कक्षा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली. इस अप्रत्याशित घटना के बाद विद्यालय और हॉस्टल परिसर में अफरा-तफरी मच गई है. फिलहाल छात्रा के इस आत्मघाती कदम के पीछे के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है. छात्राओं ने बता कि सोमवार रात करीब 8:30 बजे छात्रावास की सभी छात्राएं रात के खाने के लिए नीचे आई थीं. जब एक छात्रा काफी देर तक भोजन के लिए नीचे नहीं पहुंची, तो उसकी सहपाठियों ने उसे आवाज दी. कोई जवाब न मिलने पर सहेलियां उसे बुलाने के लिए कमरे में गईं. कमरे का मंजर देखते ही छात्राओं के होश उड़ गए.

झारखंड में नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर लगेगी रोक, एआई पोर्टल से होगी निगरानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के अवैध कारोबार पर रोक लगाने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), झारखंड और राज्य के औषधि नियंत्रण विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित विशेष पोर्टल तैयार किया है. इस पोर्टल के माध्यम से दवा निमार्ता से लेकर मरीज तक दवाओं की खरीद-बिक्री और आपूर्ति पर नजर रखी जायेगी. पोर्टल का निर्माण पूरा हो चुका है और जल्द ही इसका शुभारंभ किया जायेगा. पोर्टल के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि



कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और किस निमार्ता या विक्रेता से किस दवा दुकान को बेची गयी है. साथ ही किस दुकान ने कितनी दवा खरीदी है, इसकी जानकारी भी उपलब्ध रहेगी. इससे दवाओं की आवाजाही पर वास्तविक समय (रियल टाइम) में निगरानी रखी जा सकेगी. यदि किसी दवा की असामान्य रूप से अधिक मात्रा में खरीद-बिक्री होती है, तो पोर्टल तत्काल अलर्ट जारी करेगा. इसके बाद विभाग संबंधित दवा और उसके कारोबार की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर सकेगा. इससे नशे के लिए दवाओं के दुरुपयोग और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी. बैठक में औषधि निदेशक ऋतु सहाय, सहायक निदेशक प्रणब प्रभात और राम कुमार झा सहित औषधि नियंत्रण विभाग एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के अधिकारी उपस्थित थे.

देश में पहली बार तैयार हुआ पोर्टल

विभाग के अनुसार, देश में विशेष रूप से दवाओं के दुरुपयोग की निगरानी के उद्देश्य से तैयार किया गया यह पहला पोर्टल है. इसे एनआईसी, झारखंड ने औषधि नियंत्रण विभाग के सहयोग से विकसित किया है. इसकी खासियत यह है कि दूसरे राज्यों के औषधि नियंत्रण विभाग और संबंधित एजेंसियां भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगी. पोर्टल पर आम नागरिकों के लिए शिकायत दर्ज कराने का विकल्प भी दिया गया है. यदि किसी क्षेत्र में दवाओं का अवैध कारोबार हो रहा है या नशे के लिए दवाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति इसकी शिकायत पोर्टल के माध्यम से कर सकेगा. शिकायत मिलने के बाद विभाग मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगा.

दवाओं की गुणवत्ता और भ्रामक दावों पर भी रहेगी नजर

पोर्टल के माध्यम से दवाओं की गुणवत्ता और उनके संबंध में किये जाने वाले भ्रामक दावों की भी निगरानी की जायेगी. यदि कोई व्यक्ति या संस्था किसी दवा के सेवन से गंभीर बीमारी ठीक होने का भ्रामक दावा करती है, तो उसकी जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी.इस संबंध में मंगलवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक हुई. इसमें औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने पोर्टल की कार्यप्रणाली, विशेषताओं और उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल के माध्यम से दवाओं की खरीद-बिक्री की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखना संभव होगा. इस व्यवस्था के लागू होने से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, दवाओं के अवैध कारोबार पर नियंत्रण और समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलेगी.

पेयजल योजनाओं को लेकर रांची पूर्व, रांची पश्चिम और खूंटी प्रमंडल की समीक्षा बैठक

गर्मी से पहले पेयजल योजनाएं पूरी करें, लापरवाही पर एजेंसियों से होगी वसूली : प्रधान सचिव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। पेयजल योजनाओं को पूरा करने में हो रही देरी और कई योजनाओं के बंद पड़े रहने पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कड़ी नाराजगी जताई है. मंगलवार को विश्वा सभागार में रांची पूर्व, रांची पश्चिम और खूंटी प्रमंडल की समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजलापूर्ति जैसे बुनियादी काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. काम में शिथिलता बरतने वाले संवेदकों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी. मंत्री ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को दिसंबर 2026 तक सभी क्लस्टर और सिंगल विलेज स्कीम (रश्र) की योजनाएं पूरी कराने का निर्देश दिया. इस बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति, अधूरे निर्माण, बंद पड़ी पेयजलापूर्ति योजनाओं और भुगतान के बावजूद सुचारु रूप से काम नहीं करने वाली योजनाओं की समीक्षा की गई. मंत्री ने अधिकारियों और संवेदकों से योजनावार जानकारी ली. उन्होंने निर्देश दिया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जाए.

15 दिनों में देनी होगी जांच रिपोर्ट

रश्र योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए राज्य और जिला स्तर पर कमेटी गठित की जाएगी. संयुक्त कमेटी सभी योजनाओं का स्थल निरीक्षण करेगी. इसमें निर्माण की स्थिति, कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और संचालन में आ रही समस्याओं की जांच होगी। कमेटी को 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है.



काम नहीं करने वाले संवेदकों को नोटिस

मंत्री ने कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि काम नहीं करने वाले संवेदकों को लीगल नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई करें. जिनकी योजनाएं बंद हैं या निर्धारित समय में पूरी नहीं हुई हैं, उनकी जवाबदेही तय की जाएगी. वहीं, लंबित योजनाओं की नियमित समीक्षा नहीं करने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी.

हर घर जल का सत्यापन जल्द पूरा करने का निर्देश

अधिकारियों को दिसंबर तक सभी क्लस्टर और रश्र योजनाएं पूरी कराने के साथ बचे हुए गांवों में हर घर जल का सत्यापन जल्द पूरा करने को कहा गया. कार्यशील पेयजल योजनाओं के लिए कनीय और सहायक अभियंताओं को ग्रामीणों के साथ बैठक कर जलकर वसूली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया. इस बैठक में विभागीय सचिव अबु इमरान और अभियान निदेशक शशि रंजन समेत रांची और खूंटी के वरीय अधिकारी, अभियंता तथा संबंधित संवेदक मौजूद रहे.

सीएम हेमंत सोरेन ने परिजनों संग चांडिल डैम का किया परिभ्रमण

चांडिल डैम को वैश्विक पर्यटन स्थल बनाएगी झारखंड सरकार : सीएम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सरायकेला-खरसावां। झारखंड सरकार राज्य के प्राकृतिक जलस्रोतों और रमणीय स्थलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर उभारने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरायकेला-खरसावां जिला के प्रसिद्ध चांडिल डैम का परिजनों संग दौरा कर क्षेत्र के संपूर्ण कायाकल्प की रूपरेखा स्पष्ट की. धातकीडीह प्रवास के दौरान चांडिल डैम पहुंचे मुख्यमंत्री ने वहां के मनोरम परिवेश की सराहना की. सीएम ने इसे आधुनिक व पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का संकल्प जताया. अपने भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला के उपायुक्त और वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा की. उन्होंने निर्देश दिया कि चांडिल परियोजना के अटके कार्यों को गति दी जाए और जल प्रबंधन के साथ-साथ बिजली उत्पादन की क्षमताओं को सशक्त किया जाए. इसके साथ ही पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देते हुए एक दीर्घकालिक और सस्टेनेबल मास्टर प्लान तैयार करने को कहा गया, ताकि प्राकृतिक तंत्र को नुकसान पहुंचाए बिना आधुनिक आधारभूत ढांचा खड़ा किया जा सके.

इको-टूरिज्म से युवाओं को मिलेगा सीधा रोजगार

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि चांडिल डैम में इको-टूरिज्म के जरिए बड़े पैमाने पर स्थानीय आजीविका विकसित की जा सकती है. उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा, स्वच्छ जनसुविधाओं और नौकायन (बोटिंग) सेवाओं को तकनीकी रूप से उन्नत व सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए. इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं को गाइड, हॉस्पिटैलिटी और वॉटर स्पोर्ट्स से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है. इस मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, विधायक सविता महतो, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त रविरंजन कुमार विक्रम, उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह और चांडिल एसडीएम नितिन शिवम गुप्ता सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अमला मौजूद रहा.





पारंपरिक रस्म अदायगी के लिए ननिहाल पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन



सरायकेला: पारिवारिक शोक और सामाजिक दायित्वों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को अपनी धर्मपत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल प्रखंड स्थित अपने ननिहाल धातकीडीह पहुंचे. मातृ शोक के बाद निर्धारित जनजातीय एवं क्षेत्रीय परंपराओं का निर्वहन करने पहुंचे मुख्यमंत्री के ननिहाल पक्ष ने पूरे मान-सम्मान व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आत्मीय स्वागत किया. वहीं, क्षेत्र में आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को विधिवत 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया. झारखंडी लोक-संस्कृति में माता अथवा पिता के देहावसान के बाद श्राद्ध, तर्पण व अस्थि विसर्जन की समस्त क्रियाएं पूर्ण होने पर ननिहाल जाकर पारंपरिक रस्म निभाने का विशेष विधान है. मान्यतानुसार, शोक संतप्त परिवार के शुद्धिकरण और 'छुतका' निवारण के निमित्त यह अनुष्ठान आवश्यक माना जाता है. इसी परिपाटी के तहत ननिहाल पक्ष द्वारा मुख्यमंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी के चरण पखार कर गृह प्रवेश कराया गया तथा आतिथ्य सत्कार के साथ विशेष भोज का आयोजन हुआ.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले - भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए सेना को तैयार रखना आवश्यक

एजेंसी।

जैसलमेर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बैठक आयोजित करने का उद्देश्य केवल औपचारिक चर्चा करना नहीं, बल्कि क्षेत्र की जमीनी हकीकत और अग्रिम इलाकों की वास्तविक परिस्थितियों को करीब से समझना भी है. राजनाथ सिंह ने कहा कि आज ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों की भूमिका लगातार बढ़ रही है. ऐसे में भारतीय सेनाओं को वर्तमान के साथ भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रखना आवश्यक है. स्वर्णनगरी जैसलमेर के होटल फोर्ट रजवाड़ा में मंगलवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा समिति के कई सदस्य और अन्य अधिकारी एवं संबंधित लोगों ने हिस्सा लिया. बैठक का मुख्य विषय भारतीय सशस्त्र बलों का



आधुनिकीकरण है. इस दौरान देश की रक्षा तैयारियों, आधुनिक युद्ध तकनीक, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, सैन्य क्षमताओं और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की जा रही है.

बैठक में रक्षा मंत्री ने कहा कि संसद सत्र के दौरान संसदीय समिति की बैठक के लिए समय निकालना काफी मुश्किल होता है. कई बार एक घंटे की बैठक करना भी कठिन हो जाता है. ऐसे में संसद सत्र से बाहर इस तरह की बैठकों से सभी सदस्यों को आपस में बातचीत और विचार-विमर्श के लिए पर्याप्त समय मिलता है. उन्होंने कहा कि जैसलमेर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में बैठक आयोजित करने से क्षेत्र की जमीनी वास्तविकताओं और अग्रिम इलाकों की स्थिति से भी अवगत होने का अवसर मिलता है. समिति के सदस्यों के सुझावों के अनुसार ही इस क्षेत्र का चयन कर बैठक आयोजित की गई है. उन्होंने कहा कि परामर्शदात्री समिति की बैठकों में सदस्यों की ओर से दिए जाने वाले सुझाव सभी के लिए काफी उपयोगी और फायदेमंद साबित होते हैं.

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण आज के वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बेहद प्रासंगिक विषय है. दुनिया में तेजी से हो रहे भू-राजनीतिक बदलाव भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं को भी प्रभावित कर रहे हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-ईरान संघर्ष जैसी घटनाओं ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और नई चुनौतियों को सामने रखा है. रक्षा मंत्री ने आधुनिकीकरण के तीन प्रमुख आयामों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें रक्षा बजट एवं पूंजीगत खरीद सबसे महत्वपूर्ण है. सेना के आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता जरूरी है.





ट्रक की टक्कर से युवक की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज

सीसीटीवी फुटेज से हुई वाहन की पहचान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पुलिस ने ट्रक और चालक के नाम पर दर्ज की प्राथमिकी, पोस्टमार्टम में देरी से परिजनों को हुई भारी परेशानी



रामगढ़/गोला। पेटरवार-गोला मुख्य मार्ग पर हेमतपुर स्थित नवनिर्मित पुल के समीप ट्रक की टक्कर से हुई युवक मनीष कुमार की मौत के मामले में गोला पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद दुर्घटना में शामिल ट्रक की पहचान कर उसका नंबर और चालक का नाम पता लगाया। मृतक के पिता तापेश्वर रविदास के लिखित आवेदन पर ट्रक संख्या जेएच10सीक्यू-2646 और उसके चालक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी की प्रति भी परिजनों को उपलब्ध करा दी गई है। मंगलवार की सुबह पुलिस ने मृतक के पिता तापेश्वर रविदास और घटना के प्रत्यक्षदर्शी चचेरे भाई अमर कुमार रविदास को गोला थाना बुलाकर उनका बयान भी दर्ज किया।आवेदन के अनुसार, रजरप्पा थाना क्षेत्र के मायल गांव निवासी मनीष कुमार (24 वर्ष) दो नवंबर को दोपहर करीब दो बजे अपनी मोटरसाइकिल से गोमिया के नरकी गांव से अपने चचेरे भाई अमर कुमार रविदास के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान हेमतपुर के समीप विपरीत दिशा से तेज गति और लापरवाही से आ रहे ट्रक ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मनीष गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ रेफर कर दिया। हालांकि, सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे अमर कुमार दूर जा गिरे, जिससे उनकी जान बच गई।

परिजनों ने खुद खंगाले होटलों के सीसीटीवी फुटेज

हादसे के बाद शुरूआत में दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान नहीं हो पाई थी। परिजनों का आरोप है कि रात में पुलिस की ओर से भी ट्रक के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद पीड़ित परिवार के लोगों ने गोला स्थित रुचिका होटल और हेमतपुर स्थित सुधीर होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। काफी मशक्कत और लगातार प्रयास के बाद दुर्घटना में शामिल ट्रक का नंबर सामने आया। इसके बाद पुलिस ने वाहन और चालक की पहचान कर नामजद प्राथमिकी दर्ज की।

पोस्टमार्टम में देरी से परिजनों को हुई परेशानी

इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। परिजनों के अनुसार, दो नवंबर की रात करीब 8:30 बजे ही मनीष के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचा दिया गया था, लेकिन आवश्यक कागजी प्रक्रिया और रिपोर्ट समय पर पूरी नहीं होने के कारण पोस्टमार्टम की प्रक्रिया तीन नवंबर को दोपहर 12 बजे शुरू हो सकी। इस देरी से शोकाकुल परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल था। वह बार-बार बेहोश हो रही थीं। उनकी स्थिति को देखते हुए चितरंजन सेवा सदन में उनका इलाज भी कराना पड़ा। परिजनों का कहना है कि जब शव रात में ही सदर अस्पताल पहुंचा दिया गया था तो पोस्टमार्टम से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया समय पर पूरी की जानी चाहिए थी, ताकि परिवार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कर सके। एक ओर परिवार जवान बेटे को खोने के सदमे से गुजर रहा था, वहीं दूसरी ओर पोस्टमार्टम में देरी ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। परिजनों ने दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की है।

पतरातू की भरोसे की पहचान अब राजधानी में भी, रांची में खुली लकी ज्वेलर्स की नई शाखा



रातू रोड में 'साइन ज्वेलर्स' के नाम से शुरू हुआ नया प्रतिष्ठान, गुणवत्ता और ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना रहेगी प्राथमिकता

पतरातू - पतरातू में आभूषण कारोबार के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीय पहचान बना चुके लकी ज्वेलर्स ने अब राजधानी रांची में भी अपने कारोबार का विस्तार किया है। प्रतिष्ठान की नई शाखा रांची के रातू रोड में 'साइन ज्वेलर्स' के नाम से शुरू की गई है। पतरातू में ग्राहकों का भरोसा जीतने के बाद राजधानी में नई शुरूआत को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी खुशी है।लकी ज्वेलर्स की पहचान बेहतर गुणवत्ता, सही सामान और ग्राहकों के साथ भरोसेमंद व्यवहार के कारण बनी है। प्रतिष्ठान के संचालक गौतम का कहना है कि ग्राहकों का विश्वास ही किसी भी व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी है। इसी विश्वास को कायम रखते हुए रांची में साइंस ज्वेलर्स की शुरूआत की गई है।न्होंने बताया कि पतरातू में जिस सेवा भावना और गुणवत्ता के साथ ग्राहकों को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया है, उसी परंपरा को रांची में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। नई शाखा को भी ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। उनका कहना है कि व्यवसाय में केवल विस्तार करना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि ग्राहकों का विश्वास और प्रतिष्ठा बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।पतरातू से शुरू होकर राजधानी गंची तक पहुंचा यह सफर स्थानीय व्यवसाय की बढ़त भी दशार्ता है और ग्राहकों के भरोसे को भी।

धनतेरस पर सुरक्षा को ले पुलिस अलर्ट



व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी लगाना जरूरी : एसपी

लोहरदगाः धनतेरस, दीपावली एवं छठ महापर्व को ले जिले में विधि-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने की तैयारी शुरू कर दी गई है। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, व्यापारिक गतिविधियों और नकदी के लेन-देन को देखते हुए लोहरदगा पुलिस विशेष सतर्कता बरतेगी। इस संबंध में लोहरदगा चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी से मुलाकात कर सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और धनतेरस के दिन व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान लोहरदगा पुलिस विभिन्न टीमों में बंटकर पूरे क्षेत्र में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखेगी। बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।पुलिसकर्मी लगातार निगरानी रखेंगे, ताकि किसी प्रकार की आपराधिक घटना नहीं हो। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है।पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यापारियों से अपने- अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से प्रत्येक व्यापारिक प्रतिष्ठान में सीसीटीवी कैमरा होना बेहद आवश्यक है। इससे किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में अपराधियों की पहचान करने और पुलिस को अनुसंधान में मदद मिलेगी। उन्होंने व्यापारियों को विशेष रूप से धनतेरस के दिन नकद बिक्री की राशि सुरक्षित रखने की सलाह दी। कहा कि व्यापारी प्रतिष्ठान से बड़ी नकद राशि किसी दूसरे स्थान पर ले जाने के दौरान अकेले उसे हैंडल नहीं करें। इसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि पुलिस की निगरानी में नकदी को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।धनतेरस पर चार स्थानों पर रोका जाएगा वाहनों का प्रवेश धनतेरस के दिन बाजार में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। इसके तहत शहर के चार प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर दिशा में शास्त्री चौक के पास, दक्षिण दिशा में राणा चौक के पास, पूर्व दिशा में बरवाटोली चौक से महावीर चौक रोड की ओर तथा पश्चिम दिशा में मुंद्रिका भवन, गुदरी बाजार के पास वाहनों को रोक दिया जाएगा। इन स्थानों से आगे वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इसका उद्देश्य बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति से बचना और पैदल खरीदारी करने वाले लोगों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराना है। मुलाकात के दौरान चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने त्योहारों के दौरान व्यापारियों को सुरक्षा उपलब्ध कराने और बाजार में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष रितेश कुमार, कार्यकारिणी सदस्य राजेश महतो, गुप्तेश्वर प्रसाद, विजय कुमार खत्री एवं उत्तम कुमार शर्मा शामिल थे।

अवैध शराब के विरुद्ध उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार स्थानों पर की गई छापेमारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

करीब 40 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 100 किलोग्राम फर्मेंटेड जावा महुआ बरामद



रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज के निदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद, रामगढ़ के मार्गदर्शन में उत्पाद बल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया।

इस दौरान बारलोंग, बुध बाजार, फणिकपुर एवं छोटकी लारी में कुल 4 स्थानों पर छापेमारी की गई। अभियान के क्रम में करीब 40 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा लगभग 100 किलोग्राम फर्मेंटेड जावा महुआ बरामद किया गया।

मामले में अवैध शराब के निर्माण एवं कारोबार में संलिप्त आरोपियों की पहचान की जा रही है। उनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुर्रामकलां में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट निर्माण का रास्ता साफ, 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मुर्रामकलां स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (रहट) प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण कार्य में अब तेजी आएगी। मंगलवार को उपायुक्त ऋतुराज ने प्रस्तावित स्थल का औचक निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य को हर हाल में 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का सख्त निर्देश दिया।

दो महीने की मेहनत लाई रंग, कचरा हटाकर स्थल तैयार

लगभग दो माह पूर्व उपायुक्त ने इस स्थल से 42,000 मीट्रिक टन से अधिक पुराने कचरे को हटाने का निर्देश दिया था, जो प्लांट निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती थी। भारी बारिश के बावजूद उपायुक्त की लगातार मॉनिटरिंग और पिछले दो महीनों में तीन बार किए गए निरीक्षणों के परिणामस्वरूप आज यह स्थल प्लांट निर्माण के लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है।

उपायुक्त के प्रमुख निदेर्श:

समानांतर कार्यः प्लांट निर्माण के साथ-साथ बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य भी समानांतर रूप से कराया जाए, जिसके लिए एजेंसी अलग-अलग टीमें गठित करे।

समय-सीमाः प्लांट से जुड़ी सभी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूरा हो, ताकि वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निष्पादन शुरू किया जा सके।बाउंड्री वॉल पर नाराजगीः निरीक्षण के दौरान बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य की धीमी गति पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी जताई और एजेंसी को तुरंत कार्य में तेजी लाने को कहा।दैनिक कचरा प्रबंधनः प्लांट का निर्माण पूरा होने तक नगर परिषद और कैंटोनमेंट बोर्ड के अधिकारी उपलब्ध संसाधनों व मशीनों के जरिए प्रतिदिन निकलने वाले कचरे का व्यवस्थित डंपिंग और प्रबंधन सुनिश्चित करें।वहीं, पुराने कचरे (Legacy Waste) के निष्पादन के संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि इसके लिए विस्तृत डीपीआर (उढफ) तैयार कराई जा रही है, जिस पर विभागीय अनुमोदन मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मौजूद रहे ये गणमान्य लोग

निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष कुसुमलता कुमारी, उपाध्यक्ष रंधीर कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजमल हुसैन, सिटी मैनेजर राजीव रंजन व मेघनाथ चौधरी, रामगढ़ कैंटोनमेंट बोर्ड के प्रतिनिधि तथा संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड उत्खनन परियोजना में जनसमस्याओं को लेकर जेएलकेएम का 5 नवंबर को होगा विशाल धरना, टाइगर जयराम महतो होंगे शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) पार्टी के बैनर तले रामगढ़ स्थित झारखंड उत्खनन परियोजना (15 नंबर) के रैयतों, विस्थापितों, प्रभावितों और स्थानीय ग्रामीणों की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आगामी 5 नवंबर 2026 को एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन में पार्टी सुप्रीमो सह डुमरी विधायक 'टाइगर' जयराम महतो विशेष रूप से उपस्थित रहकर आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

प्रबंधन की उदासीनता से बढ़ा आक्रोश

पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 7 सितंबर 2026 को पत्रांक संख्या खछडट/10/2026 के माध्यम से क्षेत्र की 11 सूत्री जनसमस्याओं और मांगों से संबंधित मांग-पत्र परियोजना प्रबंधन को सौंपा गया था। हालांकि, दो महीने का लंबा समय बीत जाने के बावजूद प्रबंधन की ओर से न तो कोई ठोस पहल की गई और न ही किसी सकारात्मक वार्ता का प्रयास किया गया। प्रबंधन के इस रवैये के कारण विस्थापितों, प्रभावितों, स्थानीय ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं में भारी असंतोष व्याप्त है। इसी के विरोध में जेएलकेएम ने लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन का निर्णय लिया है।

धरना-प्रदर्शन की मुख्य बातेंः

दिनांकः 5 नवंबर 2026 (गुरुवार)

समयः सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक

स्थानः परियोजना पदाधिकारी कार्यालय परिसर, झारखंड उत्खनन परियोजना (15 नंबर), रामगढ़।

प्रबंधन को दी चेतावनी

जेएलकेएम ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन ने समय रहते 11 सूत्री मांगों पर गंभीरता दिखाते हुए सकारात्मक वार्ता नहीं की, तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि आंदोलन के दौरान विधि-व्यवस्था की स्थिति या किसी प्रकार की अप्रिय घटना उत्पन्न होने पर पूरी जिम्मेदारी परियोजना प्रबंधन की होगी।

जनता से शामिल होने की अपील

पार्टी नेतृत्व ने क्षेत्र के तमाम विस्थापितों, प्रभावितों, ग्रामीण जनता तथा जेएलकेएम के केंद्रीय, जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर के सभी पदाधिकारियों, समर्थकों एवं कार्यकताओं से अपील की है कि वे इस शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन में भारी संख्या में पहुंचकर अपनी जायज मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करें।झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बक्सीडीपा में स्माइल सेवा डेंटल क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगाः सेन्हा प्रखंड के बक्सीडीपा में मंगलवार को स्माइल सेवा डेंटल क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। क्लीनिक के खुलने से बक्सीडीपा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को दांतों से जुड़ी बीमारियों के उपचार के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। क्लीनिक का संचालन बंचास कुजूर एवं मोनिका मिंज की द्वितीय सुपुत्री डॉ. सिम्मी ज्योत्सना कुजूर द्वारा किया जाएगा। क्लीनिक का उद्घाटन सीएनआई चर्च के पादरी संजय लकड़ा, एम.पी. केरकेट्टा एवं यू. मिंज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं मांगलिक संस्कार के साथ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने क्लीनिक की शुरूआत को क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उनका कहना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में दंत चिकित्सा की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को छोटी-बड़ी समस्याओं के उपचार के लिए दूर के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। मौके पर क्लीनिक की संचालिका डॉ. सिम्मी ज्योत्सना कुजूर ने बताया कि वर्तमान समय में दांतों से संबंधित बीमारियां आम होती जा रही हैं। खानपान की आदतों, दांतों की नियमित सफाई में लापरवाही और समय पर उपचार नहीं कराने के कारण कई बार छोटी समस्या भी गंभीर रूप ले लेती है। दांतों की सेहत को नजर अंदाज करने के बजाय समय पर जांच और उचित उपचार कराना जरूरी है। इसी उद्देश्य से बक्सीडीपा में स्माइल सेवा डेंटल क्लीनिक की शुरूआत की गई है।

सेन्हा थाना क्षेत्र में चोरों ने मोटर समेत तीन स्थानों में की चोरी

किसान को 50 हजार का नुकसान, सरकारी भवन और मकान का ताला तोड़कर सामान ले उड़े चोर

लोहरदगाः सेन्हा थाना के समीप अज्ञात चोरों ने एक ही रात में तीन स्थानों पर चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दी है। चोरों ने किसान भोला साहू के खेत में लगे बोरवेल की सिंचाई मोटर और बिजली के तार चोरी कर लिए। किसान के अनुसार, इससे उन्हें करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। खेती के सीजन में मोटर चोरी होने से सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। इसके अलावा चोरों ने पास स्थित एक सरकारी भवन का ताला तोड़कर रिंग, कढ़ाई सहित अन्य सामान चोरी कर लिया और बिजली बोर्ड को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं, बगल के एक एस्बेस्टस मकान का ताला तोड़कर लोहे के कीमती सामान भी ले उड़े। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य सुरागों के आधार पर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। थाना के इतने करीब लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता है।

टाटा मैजिक ने स्कूली बच्चों से भरे ऑटो को मारी टक्कर, आठ घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

भीषण सड़क हादसे के बाद अस्पताल में मची अफरा-तफरी, एक बच्ची रांची रेफर; हादसे की खबर सुन छात्रा राधिका की बिगड़ी तबीयत, बरलंगा में भी एक व्यक्ति घायल



रामगढ़/गोला। गोला थाना क्षेत्र के रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार सुबह भीषण सड़क दुर्घटना में स्कूली बच्चों से भरे ऑटो रिक्शा को विपरीत दिशा से आ रही टाटा मैजिक वैन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार कई स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान टाटा मैजिक ने एक बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल एक बच्ची को रांची रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों को भी बेहतर इलाज के लिए भेजे जाने की जानकारी मिली है।बताया जाता है कि ऑटो में सवार छात्र-छात्राएं गोला उच्च विद्यालय में पढ़ाई के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही टाटा मैजिक वैन ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में घायल लोगों में ज्योति विश्वकर्मा (16 वर्ष), पिता पवन विश्वकर्मा, निवासी ओसो; तृप्ति पटेल (15 वर्ष), पिता केदार महतो, निवासी सोसो; युवराज कुमार (17 वर्ष), निवासी महलीडीह; सबिता प्रवीण (16 वर्ष), निवासी सोसो; ऑटो चालक कपिल चौधरी, छोटू आमिर (60 वर्ष) तथा राजेश कुमार साव (50 वर्ष) शामिल हैं। राजेश कुमार साव के पैर में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है।

अस्पताल में मची अफरा-तफरी, बच्चों को खोजते पहुंचे परिजन

हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला पहुंचने लगे। अस्पताल परिसर में कुछ ही देर में भारी भीड़ जुट गई। अपने बच्चों की स्थिति जानने के लिए परिजन इधर-उधर दौड़ते नजर आए। घायलों के लगातार पहुंचने से अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं, एंबुलेंस उपलब्ध रहने के बावजूद उसकी चाबी नहीं मिलने के कारण घायलों को रेफर करने में देरी होने की बात भी सामने आई।

हादसे की खबर सुन छात्रा राधिका की बिगड़ी तबीयत

दुर्घटना की खबर सुनकर सोसो विद्यालय की छात्रा राधिका कुमारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बताया जाता है कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद उसकी धड़कनें तेज हो गईं और सांस फूलने लगी। घबराहट और बेचैनी की स्थिति में परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इस घटना के बाद दुर्घटना की खबर से बच्चों और उनके परिजनों में दहशत का माहौल देखा गया।

बरलंगा में भी सड़क हादसा, एक व्यक्ति घायल

इधर, बरलंगा थाना क्षेत्र के दूध मटिया के समीप मंगलवार सुबह हुई एक अन्य सड़क दुर्घटना में ऊपरवर्ग निवासी कालीचरण करमाली घायल हो गए। इस तरह सुबह के समय अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कुल नौ लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

सड़क पर खड़े वाहन और तेज रफ्तार बन रहे हादसों की वजह

गोला प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं ने यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज रफ्तार, अनियमित वाहन परिचालन और सड़कों के किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन हादसों की प्रमुख वजह बन रहे हैं। विशेषकर फैक्ट्रियों के भारी वाहन अक्सर सड़क किनारे खड़े रहते हैं, जिससे दूसरे वाहनों को गुजरने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। भारतमाला सड़क पर भी माल लोड करने के बाद दर्जनों भारी वाहन किनारे खड़े रहते हैं। इससे आवागमन बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद गोला क्षेत्र में नियमों का पालन होता नहीं दिख रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़कों पर अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाया जाए और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

धान कटने के बाद खाली नहीं रहेंगे खेत, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय ने सुझाया विविधीकृत खेती का रास्ता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) में मंगलवार को 46वीं रबी अनुसंधान परिषद की बैठक हुई. बैठक में राज्य के करीब 10 लाख हेक्टेयर धान के परती खेतों में चरणबद्ध तरीके से विविधीकृत खेती को बढ़ावा देने की रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया. कृषि सचिव अबूबकर सिद्दीख पी ने वैज्ञानिकों से ऐसी तकनीक विकसित करने का आह्वान किया, जो किसानों की जरूरत के अनुरूप, कम लागत वाली और स्थानीय कृषि व्यवस्था में आसानी से लागू की जा सके. ऑनलाइन बैठक को संबोधित करते हुए कृषि सचिव ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध का उद्देश्य किसानों की आय और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना होना चाहिए. उन्होंने कहा कि शोध केवल शोध पत्रों, प्रयोगशालाओं या कृषि संग्रहालयों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका लाभ व्यापक स्तर पर किसानों तक पहुंचना जरूरी है.

कृषि सचिव ने कहा कि राज्य में धान की खेती के बाद बड़ी मात्रा में खेत परती रह जाते हैं. ऐसे खेतों में चरणबद्ध तरीके से दूसरी फसलों और विविधीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत है. उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को फसल सुधार, मृदा प्रबंधन, पौधा संरक्षण, जल संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया. भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइएबी), नामकुम के निदेशक डॉ सुजय रक्षित ने कहा कि झारखंड में पर्याप्त बारिश होने के बावजूद अक्टूबर के बाद कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति बनने लगती है. इससे निबटने के लिए वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और पुनर्चक्रण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. उन्होंने खेती में पानी की बचत के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया.

बेहतर फसल प्रबंधन पर जोर

बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने वैज्ञानिकों से नवाचारपूर्ण विचारों, शोध प्रस्तावों और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के माध्यम से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि शोध में देर से बोई जाने वाली और कम अवधि में तैयार होने वाली जलवायु अनुकूल किस्मों के चयन के साथ फसल प्रबंधन, पौधा संरक्षण और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने जैसी तकनीकों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए.

वैज्ञानिकों की कमी दूर करने में सहयोग

बैठक में बीएयू में वैज्ञानिक मानव संसाधन की कमी का मुद्दा भी उठा. डॉ सुजय रक्षित ने बताया कि आइआइएबी और बीएयू के बीच पहले से समझौता ज्ञापन (एमओयू) है. इसके तहत आइआइएबी सहयोगात्मक आधार पर अपने वैज्ञानिकों की सेवाएं बीएयू को उपलब्ध करा सकता है.

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान सम्मानित

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ शंभूनाथ करमाकर, डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती और डॉ अरविंद कुमार को सम्मानित किया गया. 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले डॉ डीएन सिंह और प्रो डीके रूसिया तथा अगले वर्ष 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाले डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय को भी शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. प्रगतिशील किसानों में सिलागाईं, चान्हो की गुड़िया कुमारी और खखरा, बुंडू के प्यारे लाल महतो को सम्मानित किया गया.

अनुसंधान उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन

निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पिछले वर्ष की रबी अनुसंधान उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस अवसर पर अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित प्रकाशन का विमोचन किया गया. इसके अलावा डॉ आईए अंसारी, डॉ छाया और वंदना चौबे द्वारा लिखित पुस्तिका 'अकोला लघु दाल मिल से दलहन का प्रसंस्करण' का भी विमोचन किया गया.

संक्षिप्त खबर

11 अभ्यर्थियों से एडवांस में वसूले एक करोड़, लैपटॉप में जिन 24 की सूची मिली, उनमें से 11 सफल हुए



रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी और अवैध लेनदेन के मामले में सीआइडी ने विशेष अदालत में दूसरी पूरक चार्जशीट दाखिल की है. जांच एजेंसी ने जेपीएससी परीक्षा में पास कराने के लिए 11 अभ्यर्थियों से एक करोड़ रुपये लेने के आरोपी बुद्धेश्वर भगत समेत 10 आरोपियों को नामजद करते हुए उनके विरुद्ध डिजिटल साक्ष्य, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और बैंक खातों में हुए वित्तीय लेनदेन की रिपोर्ट सौंपी है. मामले में अब तक कुल 34 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष एल ख्यांग्ते सहित 12 आरोपियों के खिलाफ पहले ही आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है. बुद्धेश्वर भगत मुख्य सरगना से सीधे जुड़ा हुआ था और परीक्षा व्यवस्था के तकनीकी तंत्र का जानकार था. उस पर 11 अभ्यर्थियों से एक करोड़ रुपये लेने का आरोप है. सीआइडी ने बताया है कि उसके लैपटॉप से रिजल्ट जारी होने से पहले 24 अभ्यर्थियों की सूची मिली थी, जिनमें से 11 अभ्यर्थी 14वीं पीटी परीक्षा में पास हुए थे. अभ्यर्थियों से पैसे लेने और बकाया राशि की वसूली के लिए उनके मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र और नकद राशि सिंडिकेट तक पहुंचाने का काम उसी के जिम्मे था.

बरहेट में मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, भाजपा ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग



रांची। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एसआईआर के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने साहिबगंज के बरहेट में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया है. उन्होंने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है. राकेश प्रसाद के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के दौरान मिता देवी का नाम फातिमा बीबी दर्ज होने की शिकायत मिली है. पिता के नाम की जगह नेजामुद्दीन मोमिन का नाम दर्ज होने की बात भी सामने आई है. एक ही आधार संख्या पर अलग-अलग नामों से दस्तावेज तैयार करने की शिकायत भी है. उन्होंने कहा कि ऐसी अनियमितताओं से मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं. संबंधित दस्तावेजों और आधार संख्या का सत्यापन होना चाहिए. उन्होंने राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी शिकायतों की जांच कराने की मांग की है. उन्होंने कहा कि गड़बड़ी में किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता मिलने पर कार्रवाई होनी चाहिए.

झारखंडी भाषाओं के सम्मान और पढ़ाई के अवसर की मांग, रांची में निकाली गई विशाल रैली



रांची। झारखंड की सभी जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन को सम्मान देने और इनके लिए पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करने की मांग को लेकर मंगलवार को राजधानी रांची में विशाल रैली निकाली गई. झारखंड जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा मोर्चा के बैनर तले आयोजित इस रैली का नेतृत्व आदिवासी नेता बंधु तिर्की ने किया. इसमें बड़ी संख्या में जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई से जुड़े विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और सामाजिक-राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए. रैली में खास तौर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा विभागों के विद्यार्थियों की भागीदारी रही. रांची के अलावा राज्य के अलग-अलग जिलों से भी विद्यार्थी और शिक्षक पहुंचे थे. इनके साथ विश्वविद्यालयों में भाषा विभाग से जुड़े शिक्षकेत्तर कर्मचारी और आदिवासी समाज के कई नेता व कार्यकर्ता भी आंदोलन का हिस्सा बने. प्रदर्शनकारियों ने अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान को शिक्षा व्यवस्था में उचित स्थान देने की मांग उठाई. मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से रैली की शुरूआत हुई. यहां से निकले प्रदर्शनकारी शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे. रैली में शामिल लोग बैनर और पोस्टर के साथ अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद कर रहे थे. पूरे आयोजन में झारखंड की पारंपरिक संस्कृति और आदिवासी पहचान की झलक भी देखने को मिली. पारंपरिक वेशभूषा में शामिल लोगों ने ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक नृत्य के जरिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया. विद्यार्थियों की बड़ी भागीदारी ने इस आंदोलन को शैक्षणिक मुद्दे के साथ-साथ भाषा और सांस्कृतिक पहचान से भी जोड़ दिया. प्रदर्शनकारियों का कहना था कि झारखंड की जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं यहां की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. इन भाषाओं में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त शैक्षणिक अवसर मिलने चाहिए. विश्वविद्यालयों में भाषा विभागों को मजबूत करने, नियमित अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था करने और इन भाषाओं को उचित सम्मान देने की जरूरत है. मोर्चा की इस रैली के जरिए सरकार और संबंधित शैक्षणिक संस्थानों तक यह संदेश पहुंचाने की कोशिश की गई कि झारखंडी भाषाओं को केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं रखा जा सकता.

एबीवीपी का छात्र गर्जना कार्यक्रम, अराजकता रोको-लोकतंत्र बचाओ का दिया नारा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कथित हमलों और राजनीतिक गतिविधियों के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मंगलवार को राजधानी रांची में छात्र गर्जना कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम का मुख्य नारा 'अराजकता रोको, लोकतंत्र बचाओ' रखा गया. इसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में एबीवीपी के कार्यकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए. प्रदर्शन के जरिए संगठन ने दिल्ली में कांग्रेस की रैली और कुछ राजनीतिक दलों की ओर से लगातार किए जा रहे धरना-प्रदर्शनों पर विरोध जताया. कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि देश में कुछ राजनीतिक ताकतें लगातार ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो. एबीवीपी ने इसे देश की एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंताजनक बताते हुए इसके खिलाफ आवाज उठाने की बात कही.

इस मौके पर एबीवीपी की केंद्रीय कार्य समिति की सदस्य दिशा दित्ता ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद देश को जोड़ने और देशहित में काम करने वाला संगठन है. लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ लोग देश में अराजक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे प्रयासों का संगठन की ओर से कड़ा जवाब दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि छात्र गर्जना कार्यक्रम का आयोजन भी इसी उद्देश्य से किया गया है, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान को लेकर युवाओं को जागरूक किया जा सके. उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल छात्र हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी जिम्मेदारी निभाती है. देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखना और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है. कार्यक्रम में झारखंड के अलग-अलग जिलों से पहुंचे विद्यार्थियों और कार्यकताओं ने संगठन के समर्थन में भागीदारी की. एबीवीपी ने इस आयोजन के माध्यम से राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर अपनी बात रखने के साथ युवाओं को देशहित के मुद्दों पर एकजुट होने का संदेश दिया.

उपेंद्र पाठक की पुस्तक का राज्यपाल ने किया लोकार्पण, बोले-'युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक'

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। उपेंद्र पाठक द्वारा संकलित पुस्तक संचित विचार का विमोचन करते हुए झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रसन्नता जाहिर की. इसके साथ ही कहा कि युवा पीढ़ी, खासकर नैतिक जीवन के लिए ये पुस्तक उपयोगी हो सकती है. उन्होंने कहा कि अच्छी किताबें एक अच्छे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. लोकापर्ण के लिए राज्यपाल का आभार प्रकट करते हुए उपेंद्र पाठक ने कहा है कि विचार कभी समाप्त नहीं होते. वे समय के साथ आगे बढ़ते हुए युवा पीढ़ी को नई दिशा देते रहते हैं. उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह संकलन युवा पीढ़ी के जीवन में सकारात्मक और प्रेरणा का एक अच्छा माध्यम बन सके. उनका विश्वास है कि श्रेष्ठ विचार व्यक्ति के जीवन को दिशा देते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनते हैं. लोकार्पण समारोह में जाने-माने चिकित्सक डॉ एच पी नारायण के अलावा अरविंद कुमार, रंजय ओझा, अशोक कुमार राय, सुधांशु पाठक, संध्या पाठक, नीलम पाठक, वेदांत कौस्तव, तेजस कुमार भी उपस्थित थे.

सामाजिक और आध्यात्मिक सरोकार से जुड़े

संचित विचार के लेखक उपेन्द्र पाठक ने अपना जीवन जनसेवा, सामाजिक दायित्व एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन को समर्पित किया है. अध्ययन, चिंतन तथा प्रेरणादायी साहित्य के प्रति उनकी विशेष रुचि रही है. वर्षों से उन्होंने विभिन्न ग्रंथों, महापुरुषों के विचारों तथा प्रेरक वचनों का संग्रह किया है. प्रस्तुत संकलन उसी साधना, अध्ययन और जीवनानुभव का परिणाम है, जिसका उद्देश्य पाठकों को सकारात्मक चिंतन, नैतिक मूल्यों तथा आत्मिक उन्नति की दिशा में प्रेरित करना है. संयुक्त बिहार के समय वे बिहार मत्स्य कर्मचारी संघ के महासचिव रहे तथा मत्स्य विभाग में दीर्घकाल तक अपनी सेवाएँ प्रदान कीं. वर्ष 2001 में वे मत्स्य विभाग से सेवानिवृत्त हुए. सेवानिवृत्ति के उपरांत भी उन्होंने समाज एवं धर्म के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई. वे राँची के साकेत विहार स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के अध्यक्ष के रूप में दीर्घकाल तक सेवा करते रहे तथा वर्तमान में मंदिर के संरक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं.

झारखंड में मौसम का बदला मिजाजः सुबह कोहरा तो कहीं बारिश के आसार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में मौसम का मिजाज अगले दो दिनों तक बदला हुआ रह सकता है. राज्य के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाने की संभावना है. वहीं, आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे. मौसम केंद्र रांची ने 3 और 4 नवंबर को राज्य के दक्षिणी और उससे सटे मध्यवर्ती इलाकों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश और मेघ गर्जन की संभावना जताई है. हालांकि, इसके बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा. 5 नवंबर से अधिकांश इलाकों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 3 नवंबर की सुबह राज्य के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहा. इसका असर रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद समेत मध्य झारखंड के जिलों में देखने को मिला. आज राज्य के दक्षिणी और उससे सटे मध्यवर्ती इलाकों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जताई गयी है. 4 नवंबर को भी दक्षिणी झारखंड के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं. हालांकि, मौसम विभाग ने 3 से 9 नवंबर तक किसी भी जिले के लिए विशेष मौसम चेतावनी जारी नहीं की है.

अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती मौत मामले में हाईकोर्ट सख्त एसआईटी की जांच पर उठाए सवाल, स्टेटस रिपोर्ट तलब

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने हजारीबाग में अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस की जांच पर नाराजगी जताई है. जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की पीठ ने अब तक हुई जांच की प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए अनुसंधान में तेजी लाने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने मामले में आरोपी के माता-पिता की गिरफ्तारी के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने और अगली सुनवाई से पहले जांच की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है. इस मामले में अब 19 नवंबर को अगली सुनवाई होगी.

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शशिकांत जायसवाल और अंशु कुमारी ने ईटीवी भारत को बताया कि कोर्ट ने जांच की मौजूदा स्थिति पर असंतोष जताया. पीठ ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपी ने खुद आत्मसमर्पण किया है. इसके अलावा रक्त की जांच से कोई खास उपलब्धि सामने नहीं आई है. कोर्ट ने आरोपी के माता-पिता को जल्द गिरफ्तार करने की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से अब तक की अनुसंधान प्रक्रिया और पुलिस की कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा मांगा है. अदालत ने 19 नवंबर तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है. इससे पहले हुई सुनवाई में भी कोर्ट ने जांच में तेजी लाने और अनुसंधान की जिम्मेदारी डीएसपी रैंक के अधिकारी को सौंपने को कहा था.

दरअसल, हजारीबाग के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र स्थित गुप्ता कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट में अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था. अनुष्का के पिता सुनील कुमार चक्रवर्ती ने उनके पति कुशाग्र रुद्र और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है. बताया जाता है कि अनुष्का और कुशाग्र ने करीब 3 साल पहले प्रेम विवाह किया था, दोनों इसी फ्लैट में एक साथ रहा करते थे.

अनुष्का की मौत के बाद उनके भाई देवजीत चक्रवर्ती ने झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दाखिल कर मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की. याचिका में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए हैं. कोर्ट को बताया गया था कि महज 3 घंटे के भीतर अनुष्का के शव का दो बार पोस्टमार्टम किया गया. इसके अलावा शव की स्थिति और शरीर पर मिले चोट के निशानों को लेकर भी संदेह जताया गया है.

हाईकोर्ट के कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ की अनदेखी से नाराजगी, मुख्य न्यायाधीश को सौंपा ज्ञापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड हाईकोर्ट परिसर में सोमवार को आयोजित भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के आधिकारिक कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के सदस्यों को आमंत्रित नहीं किये जाने को लेकर अधिवक्ता संघ ने नाराजगी जताई है. इस संबंध में संघ की ओर से तीन नवंबर को झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपा गया है. ज्ञापन में दो नवंबर 2026 को हाईकोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम और होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित राजकीय रात्रिभोज (स्टेट डिनर) में संघ के सदस्यों के साथ कथित भेदभाव किये जाने का आरोप लगाया गया है. संघ के महासचिव नवीन कुमार की ओर से पेश किए गए ज्ञापन में कहा गया है कि दो नवंबर को झारखंड हाईकोर्ट परिसर में सुप्रीम कोर्ट के दो माननीय न्यायाधीशों की गरिमामयी उपस्थिति में अधिवक्ताओं और बार के सदस्यों की सुविधाओं से संबंधित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. संघ के अनुसार, वह हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं का प्रमुख प्रतिनिधि संगठन है. ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक थी कि संघ और उसकी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को कार्यक्रम में आमंत्रित कर उचित सम्मान दिया जाता. संघ का आरोप है कि इस कार्यक्रम में न तो अधिवक्ता संघ को और न ही उसके विद्वान सदस्यों को आमंत्रित किया गया. ज्ञापन में होटल बीएनआर चाणक्य, रांची में आयोजित राजकीय रात्रिभोज (स्टेट डिनर) का भी उल्लेख किया गया है. संघ ने आरोप लगाया है कि इस कार्यक्रम में कार्यकारिणी समिति के अधिकांश सदस्यों को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि कुछ सदस्यों को निमंत्रण दिया गया. संघ का कहना है कि इस तरह का चयनात्मक आमंत्रण निर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के बीच भेदभाव की भावना पैदा करता है. संघ ने कहा है कि बार और बेंच न्याय व्यवस्था के दो अभिन्न अंग हैं. अधिवक्ता संघ ने हमेशा हाईकोर्ट और उसकी ओर से आयोजित कार्यक्रमों में अपना सहयोग दिया है. न्यायालय के प्रति संघ सम्मान और श्रद्धा का भाव रखता है. इसके बावजूद संघ के सदस्यों की उपेक्षा से अधिवक्ताओं में गहरा असंतोष और निराशा है.

भविष्य में समान आमंत्रण देने की मांग

संघ ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि इस मामले में बार के सदस्यों की भावनाओं और व्यथा पर संज्ञान लिया जाये. साथ ही भविष्य में हाईकोर्ट परिसर अथवा अन्य स्थानों पर आयोजित होने वाले सभी आधिकारिक कार्यक्रमों और समारोहों में अधिवक्ता संघ तथा उसकी कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों को बिना किसी भेदभाव के आमंत्रित करने का निर्देश दिया जाये.

आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि भविष्य में यदि इस प्रकार के कार्यक्रमों में बार के सदस्यों को आमंत्रित नहीं किया जाता है, तो अधिवक्ता संघ ऐसे किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम में भाग नहीं लेगा, जिसमें बार के सदस्यों को आमंत्रित नहीं किया जायेगा. संघ ने उम्मीद जतायी है कि मुख्य न्यायाधीश इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे.

बुंडू में झामुमो का मिलन समारोह, अबू सईद अंसारी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने थामा पार्टी का दामन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



बुंडू। बुंडू स्थित अमानत अली इंटर महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से तमाड़ विधानसभा स्तरीय मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य एवं जिला जदयू के पूर्व अध्यक्ष अबू सईद अंसारी के नेतृत्व में भाजपा, आजसू और जेएलकेएम से जुड़े सैकड़ों महिला-पुरुषों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा का स्वागत किया गया। इसके बाद विधायक ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने अबू सईद अंसारी सहित अन्य नए सदस्यों को माला पहनाकर और पार्टी का पट्टा देकर संगठन में शामिल कराया। इस अवसर पर विधायक विकास कुमार मुंडा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार की नीतियों और विकास कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग झामुमो से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों के शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी से क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपेक्षा जताई। समारोह की अध्यक्षता झामुमो बुंडू प्रखंड अध्यक्ष कलेश्वर सिंह मुंडा ने की। शिक्षाविद एवं समाजसेवी अली अल-अराफात ने स्वागत भाषण दिया, जबकि विधायक प्रतिनिधि अशरफ अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि शिवनाथ सिंह मुंडा, हर्षवर्धन शर्मा, अड़की विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल, चांदनी देवी, प्रदीप मुंडा, बासु सेठ, उमेश महतो, अरविंद कुमार, गिरीश मुंडा, लक्ष्मण मुंडा, बिरसा मुंडा, विक्रम मुंडा, राणा रंजीत सिंह प्रधान, बाबू खान और रेखा कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

विधि-व्यवस्था, जनसुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



साहिबगंज।समाहरणालय सभागार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पर्वों के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, अग्निशमन, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं छठ घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी पर्वों को शांति, आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव एवं सुरक्षा के साथ संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों एवं अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लाइसेंस प्राप्त पूजा समितियों की सूची अद्यतन रखने तथा समिति के सदस्यों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पूजा पंडाल में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, अग्निशमन उपकरण, स्वयंसेवकों की तैनाती एवं यातायात नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उपायुक्त ने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा नियमित निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। साथ ही पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अप्रिय स्थिति की आशंका को गंभीरता से लिया जाए तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय के साथ तत्पर रहे।काली पूजा के दौरान साहिबगंज नगर क्षेत्र में निकलने वाले मां काली के जुलूस को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने पूजा समितियों को जुलूस के दौरान पर्याप्त स्वयंसेवकों, रस्सी एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं संबंधित अधिकारियों को जुलूस मार्ग की साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।दीपावली के दौरान संभावित अग्निकांड एवं अन्य दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बर्न वार्ड में चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार प्रतिनियुक्ति करने तथा चिकित्सकीय टीम को अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया। साथ ही अग्निशमन विभाग के वाहनों एवं कर्मियों को भी पूरी तैयारी के साथ सतर्क रहने को कहा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।छठ महापर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को छठ घाटों का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार सुरक्षित एवं असुरक्षित घाटों को चिह्नित करने का निर्देश दिया। सुरक्षित घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं माइकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं असुरक्षित घाटों पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों का आवागमन प्रतिबंधित करने तथा खतरनाक स्थलों पर स्पष्ट चेतावनी संकेत लगाने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने पूजा समितियों एवं जिलेवासियों से जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों, पूजा समिति के प्रतिनिधियों एवं जिलेवासियों को दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छता, शांति, संयम एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चन्द्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आइंद, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, थाना प्रभारी एवं विभिन्न पूजा पंडालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शहीद नायक सुबोध सिंह की 25वीं पुण्यतिथि पर धर्मपत्नी मंजू सिंह सम्मानित,भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित



साहिबगंजः-शहीद नायक सुबोध सिंह की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 3 नवंबर को न्यू झारखंड युवा क्लब के तत्वावधान में श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर शहीद सुबोध सिंह के देश के प्रति अदम्य साहस,त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा कि शहीद नायक सुबोध सिंह की शहादत के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उनकी धर्मपत्नी मंजू सिंह को अनुमंडल के सेवानिवृत्त ओएस मैथियास बेसरा के द्वारा सम्मानित किया गया।यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं,बल्कि उस परिवार के त्याग,धैर्य और समर्पण के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है,जिसने देश की रक्षा के लिए अपना प्रियजन खोया।25 वर्षों का यह सफर हमें याद दिलाता है कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।शहीदों की स्मृतियां आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेंगी।इस कार्यक्रम का आयोजन न्यू झारखंड युवा क्लब के आयोजक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम में गौतम कुमार सिंह,अमन कुमार,मीना किस्कू,अनिल यादव,राजू सिंह,सुनील टुडू,मुन्ना सिंह,देवेंद्र सिंह,पार्थो सिंह,बाम शंकर सिंह,चंदना सिंह,माधुरी सिंह,निरुपमा सिंह,संध्या सिंह,पूनम सिंह,शेफाली चक्रवर्ती,पूर्णा सिंह एवं माला सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सभी उपस्थित लोगों ने शहीद सुबोध सिंह के बलिदान को नमन करते हुए उनकी धर्मपत्नी मंजू सिंह के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की।कार्यक्रम के माध्यम से न्यू झारखंड युवा क्लब ने यह संदेश दिया कि शहीद कभी मरते नहीं,वे अपनी वीरता,त्याग और बलिदान के माध्यम से हमेशा देशवासियों के दिलों में जीवित रहते हैं।

शिक्षकों ने उधवा बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, मानदेय भुगतान की मांग

झारखंड उजाला संवाददाता



उधवा/साहिबगंज।जनगणना 2026-27 के तहत प्रगणक के रूप में कार्य करने वाले शिक्षकों को अब तक मानदेय का भुगतान नहीं होने पर शिक्षकों ने नाराजगी जताई है।मंगलवार को शिक्षकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपकर बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान कराने की मांग की। इस दौरान शिक्षक मैनुल हक, जिब्राइल शेख, मो. अब्दुल हन्नान फैजी, मो. नूरुद्दीन, बसीरुद्दीन अहमद, मो. बरकत अली, अताउर रहमान, सकल हेम्ब्रम सहित अन्य शिक्षकों ने बताया कि जनगणना 2026-27 के दौरान प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में उन्हें प्रगणक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सभी शिक्षकों ने आवंटित कार्यों का निष्पादन किया, लेकिन कार्य पूरा होने के बावजूद अब तक उन्हें मानदेय की राशि प्राप्त नहीं हुई है। शिक्षकों का कहना है कि अन्य जिलों में जनगणना कार्य में लगे कर्मियों को मानदेय का भुगतान किया जा चुका है, जबकि उधवा प्रखंड के शिक्षकों को अब तक भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। शिक्षकों ने बीडीओ से मामले में आवश्यक पहल करते हुए लंबित मानदेय का भुगतान जल्द सुनिश्चित कराने का आग्रह किया। वहीं, आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त एवं राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा को भी प्रेषित की गई है।

फरक्का थाना क्षेत्र में पत्थर लदे वाहनों से कथित अवैध वसूली का आरोप, बंगाल की सीएम को पत्र लिख अर्पिता दास ने मांगी जांच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज। जिले के बरहरवा नगर पंचायत की अध्यक्ष एवं भाजपा नेत्री अर्पिता दास ने फरक्का फाड़ी थाना क्षेत्र में पत्थर लदे वाहनों को रोकने, कथित अवैध वसूली और पत्थर खाली कराने के आरोपों को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है. उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है.पत्र में आरोप लगाया गया है कि 25 अक्टूबर 2026 को झारखंड से वैध माइनिंग चालान और आवश्यक दस्तावेजों के साथ मालदा जा रहे तीन पत्थर लदे वाहनों को फरक्का फाड़ी थाना क्षेत्र में रोका गया था. इनमें वाहन संख्या WB59C 5550, JH16G 9716 और JH16H 3849 शामिल हैं. आरोप है कि इन वाहनों के खिलाफ ओवरलोडिंग के मामले में कार्रवाई की गयी.

कथित वसूली और पत्थर खाली कराने की शिकायत

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले को मैनेज करने और चार्जशीट न्यायालय भेजने के नाम पर कथित तौर पर वाहन मालिकों से नजराना लिया जाता है. इसके बाद वाहन रिलीज होने के बावजूद उसमें लदा पत्थर खाली करने के बाद ही वाहन ले जाने की बात कही गयी.

वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराने की मांग

अर्पिता दास ने पूरे मामले की वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए.

बोरियो में 2.14 करोड़ की सड़क मरम्मत में गुणवत्ता पर उठे सवाल, धीमी प्रगति से ग्रामीण परेशान



साहिबगंज।बोरियो प्रखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत बन रही सड़क की गुणवत्ता और कार्य प्रगति पर सवाल उठ रहे हैं. बयासी से बथानी होते हुए गम्हरिया तक सड़क की मरम्मत की जा रही है. 214.634 लाख रुपये की लागत से 3.370 किलोमीटर लंबी सड़क का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है. ग्रामीणों के अनुसार, संवेदक सैटेलाइट कंस्ट्रक्शन, मुर्शिदाबाद द्वारा कार्य कराया जा रहा है, लेकिन इसमें कई खामियां सामने आ रही हैं.ग्रामीणों का कहना है कि पीसीसी सड़क के किनारे मिट्टी भराई का कार्य नहीं किया गया है, जिससे सड़क का किनारा टूटने का खतरा बना हुआ है. वहीं, सड़क पर कालीकरण (ब्लैक टॉप) का कार्य भी अब तक शुरू नहीं हुआ है.

धीमी प्रगति से आवागमन में परेशानीग्रामीणों के अनुसार, सड़क मरम्मत कार्य की प्रगति बेहद धीमी है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है. उन्होंने विभाग से संवेदक पर दबाव बनाकर कार्य में तेजी लाने और निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग की है. साथ ही पीसीसी सड़क के किनारे मिट्टी भराई कर सड़क को मजबूत करने की मांग उठाई है.

मिट्टी भराई और कार्य में तेजी लाने का दिया जायेगा निर्देश

इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता संदीप कुमार ने बताया कि पीसीसी सड़क के किनारे मिट्टी भरी जानी है. यदि किनारे मिट्टी नहीं भरी गयी है, तो संवेदक को मिट्टी भरने के लिए कहा जायेगा. साथ ही कार्य में तेजी लाने का निर्देश भी दिया जायेगा.

झारखंड स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर झामुमो कार्यकर्ताओं ने की बैठक

झारखंड उजाला संवाददाता



आगामी 15 नवंबर को कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया

उधवा/साहिबगंज।भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 15 नवंबर को भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी को लेकर उधवा प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर के खरदंग मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बाबू के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 15 नवंबर को कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम को बेहतर तरीके से संपन्न कराने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और झारखंड राज्य के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए स्थापना दिवस समारोह को उत्साहपूर्वक मनाने का संकल्प लिया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, प्रखंड उपाध्यक्ष जैनुल आब्दीन शेख, कीनू सोरेन, जहांगीर शेख, यासीन शेख सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपावली-छठ से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, 12 दुकानों की जांच; बिना लाइसेंस कारोबार पर होगी कार्रवाई

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।दीपावली एवं छठ महापर्व से पहले बाजार में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है. उपायुक्त-के निर्देश पर साहिबगंज मुख्य बाजार में विभागीय टीम ने औचक निरीक्षण किया. इस दौरान कुल 12 दुकानों की जांच की गयी. दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और वैध एफएसएसएआइ लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया.

लाइसेंस नहीं तो निर्धारित प्रक्रिया से करायें पंजीकरण

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप सभी खाद्य कारोबारियों को आवश्यक पंजीकरण और वैध अनुज्ञप्ति (एफएसएसएआइ लाइसेंस) प्राप्त करने को कहा गया. जिन दुकानदारों के पास जरूरी दस्तावेज और वैध लाइसेंस उपलब्ध नहीं थे, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत अनिवार्य रूप से लाइसेंस प्राप्त करने की सख्त हिदायत दी गयी.

मिठाई से पनीर तक की गुणवत्ता पर नजर

जांच अभियान के दौरान फल एवं सब्जी विक्रेताओं, मिठाई दुकानदारों, पनीर विक्रेताओं और होटल संचालकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाये रखने तथा स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया. खाद्य सामग्री को सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से ढककर रखने के साथ दुकानों एवं आसपास के परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया.

इसके अलावा बाजार में मिलावटी एवं एनालॉग पनीर की भी जांच की गयी. दुकानदारों को खाद्य पदार्थों में केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप अनुमोदित खाद्य रंगों का उपयोग करने तथा प्रतिबंधित रंगों एवं मिलावटी सामग्री के प्रयोग से बचने का निर्देश दिया गया.

नियम तोड़े तो होगी कानूनी कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा एवं नौरंगदेव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. सभी खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन अनिवार्य है. नियमों का उल्लंघन करने, मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने अथवा निर्धारित मानकों की अनदेखी करने वाले कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

दीपावली, काली पूजा व छठ को लेकर शांति समिति की बैठक, पंडालों में सीसीटीवी और विसर्जन के दौरान सुरक्षा के कड़े निर्देश



साहिबगंज।आगामी दीपावली, काली पूजा व छठ पूजा के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टिकोण से नगर थाना परिसर में मंगलवार शाम को एसडीओ अमर जॉन आईंद के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें टमटम स्टैंड, केएन क्लब, रसूलपुर दहला, सब्जी मंडी, गुल्ली भट्ठा बम काली, नॉर्थ कॉलोनी, बंगाली टोला, बड़तला, शीतला स्थान, चौक बाजार, समेत अन्य काली पूजा के समिति के सदस्य उपस्थित थे। सभी पूजा कमेटियों ने अपनी परेशानी को पदाधिकारीयों के सामने साझा किया। कई इलाकों में लाइट की व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती के अलावा विसर्जन घाट पर हाइड्रा से विसर्जन, लाइट लगाकर रोशनी की व्यवस्था कराने की बात कही। मौजूद अधिकारियों ने पूजा समितियों का परेशानी सुन कर उन्हें दूर करने का आश्वासन दिया। एसडीओ ने कहा कि काली पूजा के मौके पर पंडाल के इर्द-गिर्द पुलिस बल की तैनाती की जायेगी। महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा की विशेष जिम्मेदारी पूजा समिति की भी होगी। ताकि भीड़ में महिलाओं व बच्चों को परेशानी का सामना न करना पड़े। आगे एसडीओ ने कहा कि सभी पूजा पंडालों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। यह जिम्मेवारी पूजा समिति की होगी। आगे कहा कि पर्व में किसी प्रकार का गलत पोस्ट या फिर कोई ऐसी बात ना करें जो किसी धर्म के लोगों को आहत ना पहुंचे। ऐसा करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आगे पूजा कमेटियों ने विसर्जन को लेकर कहा कि तीन पूजा समिति को छोड़ कर, सभी पूजा समिति 10 नवंबर को ही विसर्जन करेंगे, और अगले दिन 11 नवंबर को बम काली पूजा समिति, बायसी स्थान काली पूजा समिति, झंडा मेला काली पूजा समिति का प्रतिमा विसर्जन होगा। नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर रहेगा, किसीने भड़काऊ पोस्ट किया तो कार्रवाई होगी। कहा कि अश्लील गाने बजाने पर पाबंदी होगी। भड़काऊ गाने का उपयोग विसर्जन के दौरान न करें। किसी भी समुदाय धर्म की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे। आगे थाना प्रभारी ने कहा कि रात्रि में कलश विसर्जन के दौरान घाटों पर सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान सभी पूजा समिति के सदस्यों से कहा गया कि कोई भी शराब का सेवन नहीं करेंगे, और अपने-अपने लाइसेंस के लिए एक से दो दिन में थाना में आवेदन जमा कर दें, जो लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं देंगे उसका सदा के लिए लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। विसर्जन को लेकर संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती व जगह-जगह बैरिकेडिंग की जाएगी। मौके पर सदर प्रखंड सीओ बासुकीनाथ टुडू, साहिबगंज नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, सिटी मैनेजर, थाना के अन्य पदाधिकारी, साहित्य पूजा समिति के सदस्य को वार्ड पार्षद सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

बरहरवा उप डाकघर में चार दिनों से बैंकिंग सेवाएं ठप, 50 हजार खाताधारक परेशान; रोजाना 20 लाख का होता है लेनदेन

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज। जिले के सबसे अधिक लेनदेन वाले बरहरवा उप डाकघर में पिछले चार दिनों से कई महत्वपूर्ण बैंकिंग सेवाएं ठप पड़ी हैं. विभागीय स्तर पर आईडी मैपिंग की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण खाताधारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रतिदिन दर्जनों ग्राहक जमा-निकासी, केवाईसी, एफडी सहित अन्य जरूरी काम कराने के लिए डाकघर पहुंच रहे हैं, लेकिन काम नहीं होने के कारण उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है. खासकर स्कूली बच्चों, सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है.हैरानी की बात यह है कि जिस उप डाकघर में प्रतिदिन करीब 20 लाख रुपये का लेनदेन होता है और लगभग 50 हजार खाताधारक जुड़े हैं, वहां एक कर्मी के स्थानांतरण के बाद वैकल्पिक व्यवस्था नहींहोने से जरूरी सेवाएं प्रभावित हो गई हैं.

कर्मी के स्थानांतरण के बाद बंद हुईं जरूरी सेवाएं

जानकारी के अनुसार, बरहरवा उप डाकघर में काउंटर पीए सेविंग बैंक ब्रांच के पद पर कार्यरत राकेश कुमार गुप्ता का पिछले दिनों गोड्डा में स्थानांतरण कर दिया गया था. उन्होंने 30 अक्टूबर को यहां अपना अंतिम दिन योगदान दिया. उनके स्थानांतरण के बाद 31 अक्टूबर से उनकी आईडी के माध्यम से संचालित होने वाली जमा, निकासी, केवाईसी और एफडी समेत कई जरूरी सेवाएं बंद हो गईं. इसके बाद से ग्राहकों को लगातार परेशानी हो रही है.

चार स्वीकृत पद, आईडी मैपिंग नहीं होने से परेशानी

इस संबंध में पोस्टमास्टर साइमन हांसदा ने बताया कि बरहरवा उप डाकघर कार्यालय में पोस्टमास्टर सहित कुल चार स्वीकृत पद हैं. पिछले दिनों एक कर्मी का स्थानांतरण होने के बाद उनके स्थान पर कार्य कर रहे दूसरे कर्मी की आईडी मैपिंग नहीं हो पाई है. इसी कारण कुछ जरूरी सेवाएं फिलहाल बंद हैं. इसको लेकर वरीय अधिकारियों से बातचीत की जा रही है. नई आईडी बनते ही सभी प्रभावित सेवाएं पुनः चालू कर दी जाएंगी.

रोजाना 20 लाख रुपये का होता है लेनदेन

जानकारी के अनुसार, बरहरवा उप डाकघर में करीब 50 हजार खाताधारक हैं. इनमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, सरकारी कर्मचारी और सरकारी पेंशनधारी शामिल हैं. यहां प्रतिदिन लगभग 20 लाख रुपये का लेनदेन होता है, जो साहिबगंज जिले के सभी डाकघरों में सबसे अधिक बताया जाता है. वहीं, खाता खोलने के मामले में भी बरहरवा उप डाकघर संथाल परगना में गोड्डा के बाद दूसरे स्थान पर है.इतने बड़े स्तर पर ग्राहकों को सेवाएं देने वाले कार्यालय में महज आईडी मैपिंग नहीं होने के कारण जरूरी कामकाज प्रभावित होना विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है. ग्राहकों का कहना है कि विभाग को कर्मी के स्थानांतरण से पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए थी, ताकि आम लोगों को परेशानी नहीं उठानी पड़ती.

क्या कहते हैं अधिकारी

बरहरवा उप डाकघर में आईडी मैपिंग हीं होने के कारण कुछ जरूरी सेवाएं बंद होने की जानकारी मिलने पर डिविजन के अधिकारियों से वार्ता की गई है. शीघ्र ही नई आईडी बना दी जाएगी, जिसके बाद सेवाएं पुनः शुरू हो जाएंगी.- नीतीश कुमार भारद्वाज, इंस्पेक्टर, साहिबगंज

सभी बूथों पर बीएलओ-बीएलए-2 की पांचवीं बैठक 4 नवंबर को, एसआईआर का होगा ऑडिट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर चार नवंबर को पांचवीं बीएलओ-2 बैठक और चुनाव पाठशाला आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि यह बैठक एसआईआर प्रक्रिया का सतत ऑडिट करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। इसमें राजनीतिक दलों के बीएलए -2 और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से उन मतदाताओं के मामलों पर चर्चा होगी, जिन्होंने बीएलओ की ओर से दो बार नोटिस दिए जाने और घर जाकर सत्यापन करने के बावजूद सुनवाई की औपचारिकताएं पूरी नहीं की हैं।

ऐसे प्रत्येक मामले में सुनवाई पूरी नहीं होने का कारण दर्ज किया जाएगा। इसमें अनुपस्थित या अप्राप्य मतदाता, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर चले गए लोग, गणना प्रपत्र जमा करने के बाद मृत्यु के मामले और एक से अधिक गणना प्रपत्र जमा करने वाले मतदाता शामिल हैं।इसके अलावा नोटिस का जवाब देने से इनकार करने वाले, अस्वस्थता के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो पाने वाले और विदेशी नागरिकों से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी। निर्वाचन पदाधिकारियों को ऐसे सभी मामलों का विवरण बैठक की कार्यवाही में दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। पात्रता और नागरिकता से जुड़े मामलों में संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।बैठक का दूसरा प्रमुख उद्देश्य प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल नहीं होने वाले पात्र नागरिकों की पहचान करना है। इसमें उन लोगों को भी शामिल किया जाएगा, जिन्होंने 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, लेकिन अब तक फॉर्म-6 जमा नहीं किया है।इसके लिए राज्यभर में होम-टू-रोल सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। बीएलओ और ईआरओ / एईआरओ पात्र नागरिकों को फॉर्म-6 भरने तथा जरूरी दस्तावेज जुटाने में सहायता करेंगे। बैठक में ऐसे नागरिकों की सूची तैयार कर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को सौंपी जाएगी।

मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता : शशिप्रकाश



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को रांची में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई।मैटरनल, पेरीनेटल एंड चाइल्ड डेथ सर्विलांस एंड रिस्पांस (एमपीसीडीएसआर) विषय पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मृत्यु के मामलों का सही पंजीकरण, समय पर रिपोर्टिंग और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी है। शशि प्रकाश झा ने कहा कि एसआरएस रिपोर्टिंग और डेटाबेस में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा या आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता और एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाए।गंभीर एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार दिलाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता, नियमित प्रसव पूर्व जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने की अपील की।कार्यशाला में यूनिसेफ की डॉ कनिका मित्रा, डॉ अश्विनी, डॉ विजय किशोर रजक सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

05 नवंबर को पेशरार में लगेगा जनता दरबार, उपायुक्त सुनेंगे ग्रामीणों की समस्याएं

विभागों के अधिकारी रहेंगे मौजूद, मौके पर समाधान का होगा प्रयास

लोहरदगा: पेशरार प्रखंड के ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निष्पादन और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 05 नवंबर को प्रखंड कार्यालय के सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित इस जनता दरबार में ग्रामीण सीधे अपनी समस्याएं और शिकायतें रख सकेंगे। इस दौरान उपायुक्त संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ आमजनों की समस्याएं सुनेंगे और उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश देंगे। विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे, ताकि शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निष्पादन किया जा सके।जनता दरबार में राजस्व, ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, कल्याण, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति, पंचायती राज, मत्स्य, बैंकिंग सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं रखी जा सकेंगी। इसके अलावा आधार पंजीकरण एवं संशोधन तथा जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र से संबंधित मामलों का भी निराकरण कराया जा सकेगा।उपायुक्त ने पेशरार प्रखंड के ग्रामीणों से निर्धारित तिथि और समय पर जनता दरबार में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखने की अपील की है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी का कार्यालय लोहरदगा



लोहरदगा: दीपावली त्यौहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आज सेन्हा प्रखण्ड मुख्यालय तथा बक्सीडीपा में अवस्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर एक विशेष सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस क्रम में मेसर्स केशरी स्वीट एण्ड स्नैक्स में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी। प्रतिष्ठान संचालक को सुधार हेतु नोटिस दिया गया तथा गुणवता निर्धारण हेतु राजभोग का वैधानिक नमूना संग्रह किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर बाजार स्थित मेसर्स सुनिता देवी के प्रतिष्ठान में लडडू का निर्माण करते हुए पाये गये तथा कर्मियों के द्वारा एप्रैन, हैयरनेट इत्यादि का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। उक्त खाद्य कारोबारी को एफ०एस०एस०ए०आई० के मानको के अनुपालन हेतु निदेशित किया गया। प्रतिष्ठान से गुणवता के जांच हेतु निर्माण किये जा रहे लडडू तथा लडडू बनाने में प्रयोग होने वाले बेसन का वैधानिक नमूना संग्रह किया गया। अन्य प्रतिष्ठानों से छेना टोस्ट, लडडू, कलाकंद इत्यादि का नमूना संग्रह किया गया।बक्सीडीपा स्थित मेसर्स अनुपूर्णा मिष्ठान भण्डार में अखाद्य रंगों से तैयार मिठाईया तथा अन्य खाद्य समाग्रियों में गंभीर अनियमितताए पायी गयी। करीब 25 किलोग्राम असुरक्षित लडडू को मौके पर नष्ट किया गया, जिसका अनुमानित बजार मूल्य करीब पांच हजार रुपए है। कई स्थानों पर जांच के दौरान एक्सपायरी पेय पदार्थ पाये गये जिसे जब्त करते हुए नष्ट किया गया। कई प्रतिष्ठान बिना वैध फूड लाईसेंस के संचालित करते हुए, साफ-सफाई की कमी तथा खाद्य समाग्रियों को अखबार में लपेट कर बेचने जैसी कमियाँ पायी गयी। सेन्हा स्थित विभिन्न ठेले खोमचे इत्यादि की भी जांच की गयी। जांच के क्रम में ये पाया गया की सभी खाद्य कारोबारी को पूर्व में दिये गये निदेशों का अनुपालन करते हुए अखांद्य रंगों की मिलावट नहीं की गयी खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सेन्हा स्थित कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस क्रम में स्टोर रूम में रखे गये विभिन्न खाद्य सामग्रियों, सर्विस एरिया किचन इत्यादि की जांच की गयी। काफी स्थानों पर अनियमितता पायी गयी, जिसे सुधार हेतु निदेशित किया गया। खाद्य सामग्रियों की गुणवता संतोषजनक नहीं पाये जाने पर संबंधित आपूतिकर्ता पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करने की बात कही गयी।खाद्य सुरक्षा विभाग का यह जांच अभियान आगे भी चलता रहेगा। इस अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मोइन अख्तर, विश्वनाथ गगराई तथा विभाग के कर्मीगण मौके पर मौजूद थे।

आरसेटी के किराना दुकान और सब्जी नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का हुआ समापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगा: बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, लोहरदगा की ओर से आयोजित किराना दुकान संचालन एवं किस्को प्रखंड के अरेया पंचायत में आयोजित सब्जी नर्सरी प्रबंधन एवं उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह में बैंक ऑफ इंडिया, रांची अंचल के उप आंचलिक प्रबंधक ज्योति सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक दिवाकर सिन्हा तथा बैंक ऑफ इंडिया लोहरदगा की विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि ज्योति सिंह ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी और कौशल का उपयोग कर वे अपना व्यवसाय शुरू करें तथा आत्मनिर्भर बनें। किराना दुकान का व्यवसाय ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने का बेहतर माध्यम बन सकता है। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया भंडरा शाखा के शाखा प्रबंधक को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण प्राप्त वैसे प्रतिभागी, जिन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए ऋण की आवश्यकता है, उनके ऋण आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और वे जल्द अपना व्यवसाय शुरू कर सकें।इस दौरान उप आंचलिक प्रबंधक ने बैंक के विभिन्न शाखा प्रबंधकों एवं बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट को वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के प्रति जागरूक किया। इसके तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अटल पेंशन योजना (एपीवाई), आधार सीडिंग, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), केवाईसी, री-केवाईसी तथा निष्क्रिय बैंक खातों को पुनः सक्रिय करने जैसे कार्य शामिल हैं। अग्रणी जिला प्रबंधक दिवाकर सिन्हा ने प्रशिक्षुओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसी भी व्यवसाय की सफलता के लिए मेहनत, ईमानदारी, सही योजना और ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार बेहद जरूरी है।व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार की मांग, पूंजी और उपलब्ध संसाधनों का आकलन करना चाहिए। उन्होंने बैंकिंग सुविधाओं एवं विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रशिक्षुओं से इनका लाभ उठाने की अपील की। संस्थान के निदेशक सुरेश भगत ने कहा कि आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। किराना दुकान प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दुकान संचालन, सामान की खरीद-बिक्री, स्टॉक प्रबंधन, मूल्य निर्धारण, लेखा-जोखा, ग्राहक सेवा और व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी गई। वहीं सब्जी नर्सरी प्रबंधन एवं उत्पादन प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को नर्सरी तैयार करने और सब्जी उत्पादन से जुड़ी तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई।

उपायुक्त के निर्देश पर बरही के बुंडू गाँव में विद्युत लाइनों के आसपास पेड़ों की टहनियों की छंटाई



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग: उपायुक्त हेमंत सती के निदेर्शानुसार विद्युत विभाग द्वारा जिले में हाईटेंशन विद्युत तारों के संपर्क में आने वाली पेड़ों की टहनियों की छंटाई का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बरही प्रखंड के बुंडू गाँव में मॉडल स्कूल के समीप, विद्युत लाइनों के आसपास पेड़ों की टहनियों की छंटाई की गई।इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना तथा संभावित दुर्घटनाओं को रोकना है। विद्युत तारों के संपर्क में पेड़ों की टहनियां आने से बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।इन्हीं संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए विद्युत विभाग द्वारा समय रहते विद्युत लाइनों के आसपास पेड़ों की टहनियों की छंटाई की गई। इस कार्रवाई से विद्युत आपूर्ति सुचारु बनाए रखने, दुर्घटनाओं की आशंका कम करने तथा आम नागरिकों को जान-माल के नुकसान से बचाने में मदद मिलेगी।

डालसा सचिव ने बाल आश्रय गृहों का किया निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बच्चों की सुरक्षा और सुविधाओं का लिया जायजा

लोहरदगा: झालसा रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राजकमल मिश्रा के आदेश पर मंगलवार को डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने जिले में संचालित बाल आश्रय गृहों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समर्पण चाइल्ड केयर संस्थान, सखी वन स्टॉप सेंटर और स्पेशलाइज्ड एडॉप्शन एजेंसी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान डालसा सचिव ने बच्चों के रहने, खाने-पीने, सोने, नहाने, शौचालय, पढ़ाई, खेलकूद, स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। इसके अलावा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और अन्य सुरक्षा इंतजामों की भी जांच की। उन्होंने संस्था का पंजीयन, बच्चों की उपस्थिति, आहार सूची, बच्चों का विवरण, कर्मचारियों की जानकारी, किचन तथा संस्था में आने-जाने वाले लोगों से संबंधित पंजियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान संबंधित पदाधिकारियों और संस्थान के सदस्यों को बच्चों की बेहतर देखभाल और उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

डालसा सचिव ने कहा कि किशोर गृहों में रहने वाले बच्चों को सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। बच्चों को केवल संरक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा माहौल मिलना चाहिए, जहां वे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने सभी संस्थानों को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दुलमी प्रखंड कार्यालय में दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आकलन शिविर आयोजित, 165 आवेदन प्राप्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। झारखंड सरकार के निर्देश और रामगढ़ जिला प्रशासन की विशेष पहल पर जिले के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रखंडवार आकलन शिविरों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज दुलमी प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय आकलन शिविर का सफल आयोजन किया गया।

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) द्वारा पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (PVUNL) के सहयोग से आयोजित इस शिविर का संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) दुलमी अमित कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में क्षेत्र के दूर-दराज गांवों से आए दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी जरूरतों के अनुसार आवेदन जमा किए।

शिविर में मिले 165 आवेदन, हुआ पात्रता का आकलन

शिविर के दौरान अधिकारियों व विशेषज्ञों द्वारा कुल 165 आवेदन प्राप्त किए गए। इस मौके पर 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' और 'एडिप (ADIP) योजना' के तहत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक पात्र लाभार्थियों की शारीरिक आवश्यकताओं व पात्रता का बारीकी से आकलन किया गया। साथ ही, उपस्थित लोगों को इन कल्याणकारी योजनाओं के प्रावधानों और जरूरी दस्तावेजों (जैसे आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र आदि) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

योजनाओं की मुख्य विशेषताएं:

राष्ट्रीय वयोश्री योजनाः इसके तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

एडिप (ADIP) योजनाः इसके माध्यम से 40% या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र दिव्यांगजनों की जरूरत के मुताबिक आधुनिक सहायक उपकरण दिए जाने हेतु आकलन किया जा रहा है।

जिला प्रशासन की आम जनता से अपील

जिला प्रशासन, रामगढ़ ने जिले के सभी पात्र दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे अपने संबंधित प्रखंडों में निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आयोजित होने वाले इन आकलन शिविरों में पहुंचें और इस महत्वपूर्ण योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशासन ने क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों से भी आग्रह किया है कि वे इस जनकल्याणकारी पहल की जानकारी अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में वंचित न रहे।

सोहराय महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज, आज से सजेगा संत कोलंबा मैदान, झारखंडी संस्कृति की दिखेगी अनूठी छटा



हजारीबाग=झारखंड की समृद्ध लोककला, संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले सोहराय महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महोत्सव का आयोजन 4 एवं 5 नवंबर को हजारीबाग स्थित संत कोलंबा कॉलेज फुटबॉल मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति एवं हो एंटरटेनमेंट कल्चरल टीम के सदस्य तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। महोत्सव को लेकर मैदान में मंच निर्माण, सजावट, स्टॉल लगाने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी की जा रही है। आयोजकों के अनुसार, इस दो दिवसीय महोत्सव में झारखंड की पारंपरिक संस्कृति, लोकगीत और लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देखने को मिलेगी।कार्यक्रम में नागपुरी एवं खोरठा कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अलावा फैशन शो, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और झारखंडी व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।आयोजन समिति ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य झारखंड की लोकपरंपराओं, कला और सांस्कृतिक विरासत को एक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से कलाकारों एवं प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने शहरवासियों एवं कला-संस्कृति प्रेमियों से महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। फैशन शो ग्रूमिंग क्लास दिया गया जिसमें जिले के अलग अलग 25 से 30 पार्टिसिपेट ने भाग लिया।

विशेष भू अर्जन कार्यालय के अनुसेवक श्री बिजय राम हुए सेवानिवृत्त, दी गई भावभीनी विदाई



हजारीबाग - उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के विशेष भू अर्जन कार्यालय में कार्यरत अनुसेवक श्री बिजय राम के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें विदाई दी गई।श्री बिजय राम ने वर्ष 1989 से अनुसेवक के पद पर कार्य करते हुए लगभग 37 वर्षों तक अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया।इस अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता ने बिजय राम को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घ, सफल एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि बिजय राम जी ने अपने लंबे सेवाकाल में ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करते हुए कार्यालय की कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता एवं सेवाओं को सदैव स्मरण रखा जाएगा।समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी बिजय राम के योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर आयुक्त के सचिव सुजाता कुजूर एवं कई वरीय पदाधिकारी सहित आयुक्त कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत 04 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर BLO-BLA-2 की पांचवीं बैठक एवं चुनाव पाठशाला का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



हजारीबाग: मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत दिनांक 04 नवंबर 2026 को हजारीबाग जिले के सभी मतदान केंद्रों पर पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) एवं बूथ लेवल एजेंट (BLA-2) की पांचवीं बैठक तथा चुनाव पाठशाला की पांचवीं बैठक का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान प्रपत्र-2 में अंकित नोटिस एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं करने वाले मतदाताओं की नामवार सूची का प्रकाशन किया जाएगा। प्रकाशित सूची को बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों एवं आम नागरिकों के समक्ष पढ़कर सुनाया जाएगा। साथ ही उपस्थित BLA-2 एवं आम नागरिकों से संबंधित मतदाताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी, सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है, ताकि किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटने न पाए तथा कोई अपात्र अथवा विदेशी नागरिक मतदाता सूची में शामिल न हो।जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, हजारीबाग के निदेर्शानुसार सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 20- बरकट्ठा, 21- बरही, 24- मांडू एवं 25- हजारीबाग को बैठक के सफल आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा इछड को नामवार सूची उपलब्ध कराने तथा सभी BLA-2 एवं चुनाव पाठशाला के सदस्यों को बैठक की पूर्व सूचना देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं सचिव से अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने दल के BLA-2 को उक्त बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लेने हेतु निर्देशित करें। साथ ही सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को अपने-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित बैठकों का क्षेत्र निरीक्षण प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

यूनियन ने की एचईसी प्रबंधन से कर्मियों को दीपावली से पूर्व वेतन देने की मांग



रांची। एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को निदेशक (वित्त) और निदेशक (उत्पादन) से मुलाकात कर कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान का मुद्दा उठाया। यूनियन ने मांग की कि दीपावली और छठ पूजा से पहले कर्मचारियों को वेतन दिया जाए, ताकि त्योहार के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। महामंत्री ने कहा कि एचईसी कर्मचारियों को पारस हॉस्पिटल से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में अस्पताल के निदेशक से जल्द मुलाकात कर समस्याओं के समाधान की पहल की जाएगी। वहीं, वर्ष 2018 बैच के कर्मचारियों के प्रमोशन का मामला सीएमडी के समक्ष उठाकर शीघ्र पदोन्नति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। यूनियन के महामंत्री प्रकाश कुमार ने बताया कि प्रबंधन के निदेशकों ने फिलहाल कंपनी के पास पैसों की कमी होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि राशि उपलब्ध होते ही वेतन भुगतान का प्रयास किया जाएगा। यदि दीपावली से पहले भुगतान संभव नहीं हुआ तो छठ पूजा से पहले वेतन देने की पूरी कोशिश की जाएगी।प्रतिनिधिमंडल में महामंत्री प्रकाश कुमार के अलावा संजय सिन्हा और पंकज शर्मा शामिल थे।

15 दिनों के भीतर शिकायतों का निष्पादन सुनिश्चित करें, गलत रिपोर्टिंग पर होगी विभागीय कार्रवाई :डीसी

जन समाधान के आवेदनों का डीसी ने किया फोन पर क्रॉस वेरिफिकेशन

लंबित आवेदनों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों से पूछा कारण,लाभुकों को सीधे फोन कर जाना कार्य निष्पादन का हाल

झारखंड उजाला, ब्यूरो पलामू



मेदिनीनगर (पलामू)
जन समाधान दिवस में आमजनों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों के निष्पादन एवं उनकी वास्तविक स्थिति की पड़ताल को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को एनआईसी सभागार में संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी प्यारेलाल, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे, जन समाधान के नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विभिन्न प्रखंडों के बीडीओ एवं सीओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।बैठक के दौरान उपायुक्त ने जून माह में जन समाधान दिवस के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निष्पादन एवं लंबित मामलों की एक-एक कर समीक्षा की। जिन आवेदनों का निष्पादन लंबित पाया गया, उनसे संबंधित पदाधिकारियों से कारण पूछा गया तथा शिकायतों के समयबद्ध समाधान को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गये।उपायुक्त श्री शेखावत ने स्पष्ट कहा कि जन समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए 15 दिनों के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अनुमंडल एवं अंचल स्तर पर लोगों का कार्य नहीं होने पर वे बड़ी उम्मीद के साथ जिला मुख्यालय पहुंचते हैं। ऐसे में आमजनों के कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार का समझौता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों के निष्पादन में गलत रिपोर्टिंग पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी।

लाभुकों को फोन कर किया वास्तविकता का सत्यापन

समीक्षा के दौरान डीसी ने आवेदनों में अंकित मोबाइल नंबरों पर सीधे आवेदकों को फोन कर यह जानकारी प्राप्त की कि उनकी समस्या का समाधान हुआ है या नहीं। इस प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों के निष्पादन की वास्तविक स्थिति का क्रॉस वेरिफिकेशन किया गया।इसी क्रम में जून को जन समाधान दिवस में लेस्लीगंज प्रखंड के दरूआ से आए अखिलेश प्रजापति के मामले की समीक्षा की गयी।हृदय रोग से पीड़ित अखिलेश प्रजापति ने कल्याण विभाग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। समीक्षा रिपोर्ट में उनकी सहायता राशि की स्वीकृति दर्शाई गई थी। उपायुक्त ने तत्काल उन्हें फोन कर सूचित किया कि उन्हें 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है साथ ही सिविल सर्जन को आयुष्मान भारत तथा अन्य गंभीर बीमारी के उपचार वाली योजनाओं से जोड़ते हुए अधिक राशि देने को लेकर भी निर्देशित किया गया है।इसी तरह अन्य आवेदनों के संबंध में भी उपायुक्त ने सीधे लाभुकों से संपर्क कर कार्य निष्पादन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली।

आवेदन निष्पादन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोपरि

उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि जन समाधान दिवस आमजनों की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें प्राप्त आवेदनों का निष्पादन केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लाभुकों को वास्तविक रूप से राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करें तथा निष्पादन की सही एवं वास्तविक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद में ठेका मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पारिवारिक विवाद की बात सामने आई



धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) परिसर में मंगलवार (3 नवंबर 2026) को एक ठेका मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 26 वर्षीय नूर हसन (नूर मोहम्मद) के रूप में हुई है, जो बिहार के अररिया जिले का रहने वाला था।?
बताया जा रहा है कि नूर करीब एक महीने पहले काम की तलाश में गांव से धनबाद आया था और संस्थान के निर्माण कार्य में प्लास्टर का काम कर रहा था। उसका शव निर्माण परिसर की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटका मिला।?
सहकर्मियों के अनुसार, नूर पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक विवाद को लेकर तनाव में था। पत्नी के साथ तीन-चार महीने से विवाद चल रहा था और घटना वाले दिन सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी।?
सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) भेज दिया गया। पुलिस परिजनों को सूचित कर चुकी है और मामले की जांच कर रही है।?
यह घटना संस्थान में तीन दिन पहले एक छात्र की आत्महत्या के बाद दूसरी मौत की घटना है।

डॉ. शर्मिष्ठा आचार्या बनीं सिंदरी महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सिंदरी,। सिंदरी महाविद्यालय में विश्वविद्यालय की अधिसूचना के आलोक में डॉ. शर्मिष्ठा आचार्या ने मंगलवार को प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान निवर्तमान प्राचार्य डॉ. कमला कांत पाठक ने उन्हें विधिवत कार्यभार सौंपा। दोनों के बीच प्रशासनिक एवं कार्यालय संबंधी दायित्वों का हस्तांतरण किया गया।
डॉ. शर्मिष्ठा आचार्या महाविद्यालय के बंगला विभाग की विभागाध्यक्ष हैं। उन्हें विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर परीक्षा, शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का अनुभव है।
इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. आचार्या ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर बनाने और प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक सहयोग से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

टंडवा-हजारीबाग सड़क पर हाइवा का कब्जा, जाम से कब मिलेगी राहगीरों को मुक्ति?

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

चट्टी बरियातू कोल खदान से कोयला ढुलाई के कारण सड़क पर बढ़ रही परेशानी, प्रशासन की चुप्पी और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल



केरेडारी/टंडवा हजारीबाग/चतरा।
टंडवा-हजारीबाग मुख्य सड़क से गुजरना इन दिनों राहगीरों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। चट्टी बरियातू कोल खदान से कोयला ढुलाई में लगे हाइवा वाहनों के कारण सड़क पर बार-बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे आम राहगीरों, छोटे वाहन चालकों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कोयला परिवहन से जुड़े भारी वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होना आम बात बनती जा रही है। सवाल यह है कि कोयला ढुलाई से जुड़े वाहनों के परिचालन के दौरान सुचारु यातायात सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या प्रशासन को राहगीरों की इस परेशानी की जानकारी नहीं है, या फिर इस समस्या को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है?
सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि लगातार जाम और आम लोगों की परेशानी के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर ठोस पहल होती नहीं दिख रही है। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।कोयला उत्पादन और परिवहन जरूरी है, लेकिन इसकी कीमत आम जनता को जाम, समय की बबार्दी और परेशानी के रूप में क्यों चुकानी पड़े? आखिर कब तक राहगीर हाइवा के जाम में फंसे रहेंगे? अब जरूरत है कि प्रशासन, कोल प्रबंधन और जनप्रतिनिधि संयुक्त रूप से ठोस यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि कोयला ढुलाई भी बाधित न हो और आम लोगों का आवागमन भी सुगम बना रहे।

खराब मौसम भी नहीं रोक पाया जेसोवा मेले का उत्साह, छह दिनों तक उमड़ी भीड़



रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन(जेसोवा) दीपावली मेला खराब मौसम के बावजूद लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। छह दिनों तक चले इस आयोजन में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। मंगलवार को मेले का समापन हो गया। जेसोवा के 26 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित मेले में खरीदारी के साथ कला, संस्कृति, उद्यमिता और महिला सशक्तीकरण की झलक देखने को मिली। आयोजन के दौरान 2,600 दीयों से मोरहाबादी मैदान को रोशन किया गया।जेसोवा की अध्यक्ष प्रीति कुमार ने कहा कि जेसोवा दीपावली मेला केवल खरीदारी का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर उपलब्ध कराना और उनकी प्रतिभा को व्यापक मंच देना है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, स्थानीय उद्यमियों, हस्तशिल्पियों और छोटे व्यवसायियों को अपने उत्पादों और हुनर को प्रदर्शित करने का अवसर देना जेसोवा की प्राथमिकताओं में शामिल है।छह दिनों तक चले मेले के सफल समापन पर जेसोवा की पूरी टीम ने केक काटकर खुशी मनाई। टीम के सदस्यों ने एक-दूसरे को बधाई दी और आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सहयोगियों, प्रतिभागियों, स्टॉल संचालकों और आगंतुकों के प्रति आभार जताया।जेसोवा की टीम ने रांचीवासियों और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को उचित मंच और अवसर मिले, तो वे अपनी प्रतिभा के दम पर समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इस अवसर पर जेसोवा की अन्य सदस्य मौजूद थीं।

गलत दिशा से आ रही ऑल्टो कार ने शिक्षिका की स्कूटी में मारी टक्कर, शिक्षिका घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

स्कूल प्रबंधन ने कार चालक पर कार्रवाई और क्षतिग्रस्त स्कूटी की क्षतिपूर्ति की मांग की





सिंदरी। गुरुवार दोपहर करीब 2:40 बजे सीनियर डीएवी पब्लिक स्कूल की रसायन शास्त्र की शिक्षिका दीपाली कुमारी (35 वर्ष) विद्यालय से महज 100 मीटर दूर शिव मंदिर के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। शिक्षण सत्र समाप्त होने के बाद वह अपनी प्लेजर स्कूटी रजिस्ट्रेशन नंबर (जे एच 10 ए एस 9656) से बलियापुर स्थित आवास जा रही थीं। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही ऑल्टो कार (जेएच-10-बी डब्ल्यू-2104) ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी का अगला हिस्सा और कार का दाहिना मडगार्ड क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची बलियापुर पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। स्कूल के प्राचार्य द्विवेंदु त्रिपाठी एवं अन्य शिक्षक शिक्षिका को उपचार के लिए बलियापुर हवाई पट्टी के समीप मां अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक सी. जी. साहा ने उनका प्राथमिक उपचार किया। शिक्षिका के बाएं हाथ और दाहिने पैर में सूजन के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में हल्की चोटें आई हैं।
शिक्षिका ने आरोप लगाया कि कार चालक परमेश्वर बाउरी (45) शराब के नशे में था और गलत दिशा से आ रहा था। दुर्घटना स्थल की सड़क भी जर्जर है। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि थाने में दिए आवेदन में कार चालक पर उचित कार्रवाई करने और उसकी वजह से क्षतिग्रस्त हुई स्कूटी की क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है।

राज्यभर की 25 बालिकाओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ मिलेगा आवासीय खेल प्रशिक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

प्रशिक्षित खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिला एवं राज्य का नाम करेंगी रोशन : उपायुक्त

हजारीबाग: हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड स्थित आवासीय बालिका बैडमिंटन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ दिनांक 02 नवंबर 2026 को उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने संपूर्ण परिसर का निरीक्षण करते हुए हॉस्टल, किचेन, बेड, बिजली व्यवस्था सहित खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध आवासीय एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से राज्यभर की प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण बैडमिंटन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर बालिका खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग जिला एवं झारखंड राज्य का नाम रोशन करेंगी। उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार के खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय के अंतर्गत संचालित इस आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में 25 बालिका खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं आवासन की व्यवस्था है। राज्यस्तरीय ट्रायल एवं टैलेंट हंट के माध्यम से चयनित बालिकाओं को आवास, भोजन एवं खेल प्रशिक्षण सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी श्री कैलाश राम सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रोजगारपरक शिक्षा पर रांची विवि का जोर, प्लेसमेंट सेल को निदेशालय बनाने की तैयारी



रांची। रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सरोज शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को नवनियुक्त निदेशकों के साथ बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने और विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गईबैठक में बीबीए, बीसीए, बीजेएमसी, योगिक विज्ञान और साइबर सिक्योरिटी जैसे पाठ्यक्रमों को चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के अनुरूप संचालित करने और कौशल विकास के लिए वैधानिक बोर्ड गठन पर भी विचार हुआ।उद्योगों से बेहतर तालमेल के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति, औद्योगिक संस्थानों के साथ समझौता और विद्यार्थियों के लिए 12 सप्ताह की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग व्यवस्था विकसित करने पर भी चर्चा हुई।बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के पुनर्गठन, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) के एकीकरण तथा मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट व्यवस्था लागू करने पर विचार किया गया।विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल को डायरेक्टरेट ऑफ ट्रेनिंग, प्लेसमेंट्स एंड करियर डेवलपमेंट (डीटीपीसीडी) के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ ही पारदर्शी कैंपस प्लेसमेंट नीति और फिनिशिंग स्कूल के माध्यम से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देने पर चर्चा हुई।बैठक में रांची विवि के प्रोफेसर, नवनियुक्त निदेशक सहित अन्य मौजूद थे।

आईआईटी (आईएसएम) की डिजिटल शिक्षा पहल से 3,000 से अधिक आदिवासी छात्र लाभान्वित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सात एकलव्य आवासीय विद्यालयों में प्रशिक्षण, 65 प्रतिशत छात्राएं शामिल



धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा डिजिटल शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से अब तक 3,000 से अधिक आदिवासी छात्रों को सशक्त बनाया गया है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से संचालित इस पहल के तहत झारखंड के सात एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
संस्थान के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग के इस कार्यक्रम की मुख्य अन्वेषक सह सहायक प्राध्यापक प्रो. रश्मि सिंह हैं। इसमें डॉ. नीलाद्रि दास भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रशिक्षण केंद्र साहिबगंज, गोड्डा, दुमका, रांची, गुमला, लोहरदगा एवं पश्चिमी सिंहभूम जिले के सात विद्यालयों में संचालित हैं।शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 1,501 विद्यार्थियों ने बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण पूरा किया, जबकि सत्र 2025-26 में 1,504 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया है। इनमें 725 विद्यार्थी बुनियादी और 779 उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। खास बात यह है कि वर्तमान सत्र के कुल प्रतिभागियों में 981 छात्राएं हैं, जो लगभग 65 प्रतिशत हैं।प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को एमएस ऑफिस, एक्सेल, टैली, पाइथन, एमएस एक्सेस, एमएस प्रोजेक्ट और पावर बीआई जैसे सॉफ्टवेयर की जानकारी दी जा रही है। कक्षा शिक्षण के साथ प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण और परीक्षा की भी व्यवस्था है।
प्रो. रश्मि सिंह के अनुसार, डिजिटल साक्षरता शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए आवश्यक है। इस पहल का उद्देश्य विशेषकर आदिवासी छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थियों के औसत मूल्यांकन अंक में भी लगभग 79% की वृद्धि दर्ज की गई है। संस्थान ने आदिवासी परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को समझने के लिए 3.574 परिवारों का सर्वेक्षण भी किया है ।साथ ही जामताड़ा जिले के 6 प्रखंडों में जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण के लिए 60.75 लख रुपए तक की परियोजना भी पूरी की गई है।

कांग्रेस की रैली - 'खाली खाली कुर्सियां, खाली खाली तम्बू हैं' और भेजा...?



पूजा कुमारी, शिक्षिका।

कांग्रेस चाहे इस रैली को लेकर कितनी भी उत्साहित नजर आए परंतु यह तो सच्चाई है कि रैली में उमड़ी भीड़ दस लाख के दावे के मुकाबले कहीं अधिक कम रही। रही सही कसर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु ने यह दावा करके पूरी कर दी है कि कांग्रेस जिन तस्वीरों से रैली की भीड़ दिखा रही है वह कृत्रिम बुद्धिमता से तैयारी की गई है। फिल्म मेरा नाम जोकर के गीत खाली-खाली कुर्सियां हैं खाली खाली तम्बू हैं के गीतकार गोपालदास नीरज अगर 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई कांग्रेस की रैली को देखते तो वहां की खाली कुर्सियां व खाली तम्बू देख कर वैचारिक पक्ष से लिख रहे होते कि ह्यखाली खाली भेजा है।ह्ल रैली में किसी भी नेता द्वारा ऐसी कोई तथ्यात्मक बात नहीं कही गई जिससे यह साबित होता हो कि वोटों की चोरी हुई है और एसआईआर में गड़बड़ी है। जो जो बातें बोली गईं, चुनाव आयुक्त, प्रधानमंत्री व गृहमंत्री को लेकर जो जो अपशब्द बोले गए वो सब पिछले कई महीनों से गढ़े जा रहे झूठे नैरेटिव के प्रयासों से अतिरिक्त कुछ नहीं था। शायद यही कारण है कि न तो देशवासियों ने इस रैली से पहले विपक्ष को गंभीरता से लिया और न ही बाद में इन बातों पर ध्यान दे रहा है।

कांग्रेस चाहे इस रैली को लेकर कितनी भी उत्साहित नजर आए परंतु यह तो सच्चाई है कि रैली में उमड़ी भीड़ दस लाख के दावे के मुकाबले कहीं अधिक कम रही। रही सही कसर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु ने यह दावा करके पूरी कर दी है कि कांग्रेस जिन तस्वीरों से रैली की भीड़ दिखा रही है वह कृत्रिम बुद्धिमता से तैयारी की गई है। रैली के दौरान व इससे पूर्व कथित जनसंसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों को जिस तरीके से अवैध बताया इससे तो उन्होंने अपने नेता पद को भी अवैधानिक घोषित कर दिया है। दुनिया के राजनीतिक इतिहास में शायद ही ऐसा कभी हुआ हो कि संवैधानिक पद पर विराजमान किसी नेता ने अपने ही पद को अवैध घोषित किया हो। अब प्रश्न है कि अगर उनका पद ही अवैध है तो वे इस पद से अभी तक चिपके हुए क्यों हैं?

वैसे तो नेता प्रतिपक्ष कई महीनों से वोट चोरी का झूठ फैला रहे हैं परंतु कांग्रेस को वोट चोरी का अपना अभियान तेज करने का मौका कुछ



दिन पहले की उस खबर से मिला, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि एसआइआर के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में शपथपत्र देकर स्पष्ट रूप से कहा कि एसआइआर पर सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हुए। इसके बाद भी विपक्षी दल अपने इस हठ पर कायम हैं कि वोट चोरी हो रही है। वे इस तथ्य पर भी ध्यान देने के लिए तैयार नहीं कि जिन 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट हटाए गए हैं, वे उनके हैं जो अन्यत्र जा बसे हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है अथवा जिनके नाम दो-तीन जगह दर्ज थे। सच यह भी है कि 13 करोड़ लोगों का नाम हटाने का फैसला अंतिम नहीं है और वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में अभी भी शामिल करा सकते हैं। इतना होने के बावजूद उक्त रैली की कुर्सियां व तम्बू खाली होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से भेजा खाली होना न कहा जाए तो क्या कहें?

विडंबना यह भी है कि न्यायालय में एसआइआर के खिलाफ याचिका दायर करने वाले विपक्षी नेता कथित वोट चोरी के खिलाफ कोई प्रमाण अदालत के समक्ष पेश करने के बजाय दिखावटी संसद बुलाकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग पारित करने जैसे स्वांग कर अपना ही उपहास ही उड़ा रहे हैं। रैली की वैचारिकता के साथ-साथ इसमें जुटी भीड़ को लेकर जिस तरह से झूठ का सहारा लेने के आरोप लग रहे हैं वह साफ दशार्ता है कि खुद विपक्ष इस रैली से निराश है और येन केन प्रकारेन रैली को अधिक से अधिक सफल होने के दावे कर रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल ने रैली में भारी भीड़ दिखाने के लिए एआई से बनी फर्जी तस्वीरों का सहारा लिया है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तेलंगाना से कांग्रेस सांसद वामसी गड्डम और अन्य नेताओं द्वारा साझा की गई एक तस्वीर को पोस्ट करते हुए कटाक्ष किया। रिजिजू ने लिखा कि रामलीला मैदान को खचाखच भरा दिखाने के लिए कांग्रेस पार्टी की फेक नैरेटिव टीम एआई से बनी नकली फोटो भी ठीक से नहीं बना पाई। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस तस्वीर को तुरंत पकड़ लिया और दावा किया कि मंच पर दिख रहे राहुल गांधी और सोनिया गांधी के चेहरे और मूल रैली का मंच असली तस्वीरों से बिल्कुल अलग हैं।

इससे पहले बीजेपी प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा कह चुके हैं कि रैली से पहले कांग्रेस ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में 40 फीसदी मैदान खाली रहा। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि रैली में दिखाई गई भीड़ केवल ट्रिक फोटोग्राफी का नतीजा है, और ऐसी ट्रिक्स किसी को प्रधानमंत्री नहीं बना सकतीं। महात्मा गांधी मानते थे कि हिंसक और असत्य साधनों से कभी कोई संघर्ष नहीं जीता जा सकता। ईवीएम की तरह एसआईआर पर भी कांग्रेस लगातार झूठ पर झूठ बोल रही है और यही कारण है कि यह मुद्दा जनता के बीच कहीं ठहर नहीं पा रहा है। अगर सचमुच में चोरी हुई होती और इसके पक्ष में कांग्रेस के पास कोई प्रमाण है तो उसे संसद में पेश किया जाना चाहिए था और इस पर तथ्यात्मक बहस करनी चाहिए थी, वहां भी बात नहीं बनती तो अदालत का दरवाटा खटखटाना चाहिए था परंतु इसके विपरीत कांग्रेस ने नक्सलवादी हल्ला बोल शैली में जन संसद व रैली का आयोजन किया। अदालत का दरवाजा तो खटखटाया परंतु अभी तक उसमें अपने पक्ष में एक भी तथ्य प्रस्तुत नहीं कर पाई। कांग्रेस स्मरण रखे कि जब तक वैचारिक रूप से भेजा खाली रहेगा तब तक कुर्सियां व तम्बू भी समर्थकों को तरसते रहेंगे।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। इस राशि के बिजनेस करने वाले लोगों के लिए दिन शुभ है। आप अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे, जिससे आपको भविष्य में फायदे होने के आसार नजर आ रहे हैं। बुरे व्यवहार के कारण लोगों से आपकी बहस हो सकती है। दोस्त आपके कामों में सहयोग करेंगे, जिससे काम आसानी से पूरा हो जाएगा। आप कम समय में बहुत से काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल रहेंगे। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा। आपके कई दिनों से रुके हुए काम पूरे होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा। लवमेट्स के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

मिथुन राशि :- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े कामों में आपकी जीत होगी। किसी पुराने लोन की ई.एम.आई. से छुटकारा मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाइयों के साथ रिश्तों में मजबूती आएगी। लोग आपसे कुछ सीखने की कोशिश करेंगे। छात्रों को किसी कॉम्पटीशन में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्पोर्ट से जुड़े लोगों को कोई बड़ी सफलता मिलने वाली है।

कर्क राशि :- आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। ऑफिस में काम को लेकर आपकी अहमियत बढ़ेगी। आप खुद की मेहनत से संतुष्ट रहेंगे। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। साथ ही कुछ जूनियर आपसे काम सीखने की इच्छा जाहिर करेंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े है, उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पहले किए गए निवेश का आपको लाभ होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को ऑफर आएगा। शाम को दोस्तों से मुलाकात करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि :- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। अगर आप खुद पर भरोसा रखेंगे तो करियर को लेकर कुछ नए अवसर ढूंढ निकालने में सफल होंगे। इस राशि के वकीलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी क्लाइंट से अच्छा धन लाभ होगा। आप कोई भी फैसला लेते वक्त थोड़ा असमंजस में रहेंगे। अच्छा रहेगा किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें। लवमेट के साथ बाहर घूमने का प्लान बनेगा।

कन्या राशि :- आज घर में कुछ मरम्मत या सजावट करने की योजना बनाएंगे। आप गाड़ी खरीदने का भी मन बना सकते हैं। किसी से ऐसा वादा ना करें, जिसे पूरा ना कर पाएं। जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें। इस राशि के नौकरी करने वालों को कंपनी में किसी नए काम की जिम्मेदारी मिलेगी। कामकाज की योजना में बदलाव करेंगे। लवमेट्स कहीं घूमने जाएंगे। दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

तुला राशि :- आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। छात्र बेहतर भविष्य बनाने के लिए अपने गुरु से परामर्श लेंगे। साथ ही कोई नया कोर्स ज्वाइन करने का मन बनाएंगे। इस राशि के दुकानदारों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दुकान पर ज्यादा बिक्री होने के योग बन रहे हैं। आपके अधूरे काम पूरे होंगे, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। कारोबारियों को किसी दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ेगी। इस राशि के न्यायाधीश कई मामलों को सुलझा लेंगे।

वृश्चिक राशि :- आज आपका मन अध्यात्मक की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक स्थल पर घूमने की योजना बनाएंगे। इस राशि के जो स्टूडेंट्स कॉमर्स की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए दिन बेहतरीन रहेगा। किसी कंपनी से अकाउंटेंट की जॉब के लिए फोन आ सकता है। इस राशि के जो लोग सोने-चांदी का व्यापार करते हैं उन्हें धनलाभ होगा। लवमेट अपने पार्टनर को उनका मनपसंद गिफ्ट देंगे।

धनु राशि :- आज आपको बिजनेस और कार्यक्षेत्र से जुड़ी यात्रा करनी पड़ेगी, जिसका फायदा आपको आने वाले समय में होगा। इस राशि के नौकरी करने वालों का प्रमोशन होगा, जिससे पूरा दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी अस्पताल से आपको जॉब का ऑफर आ सकता है। नई जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें।

मकर राशि :- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कोई फैसला लेने से पहले उसपर दोबारा सोच-विचार करें। किसी को अपने विचार से सहमत कराने की कोशिश करेंगे। अधिकारी वर्ग आपसे खुश रहेंगे। आपको किसी बर्थडे पार्टी में जाने का मौका मिलेगा। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। इससे उनके रिश्ते में और मधुरता आएगी। ऑनलाइन व्यापार कर रहे व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होने वाला है।

कुम्भ राशि :- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। इस राशि के व्यापारी अपने व्यापार को बढ़ाने का नया तरीका अपनाएंगे। मेहनत के दम पर आप अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। जीवनसाथी के स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी। फर्नीचर का सामान खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है।

मीन राशि :- आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। किसी नए काम की शुरूआत करने की योजना बनायेंगे, जिसमे परिवार वाले आपका सहयोग करेंगे। इस राशि के जो लोग प्राईवेट ऑफिस में काम करते हैं उनके इन्क्रीमेंट के साथ प्रमोशन भी होगा। आपका ज्यादातर समय परिवार वालों और दोस्तों के साथ बीतेगा। इस राशि के बिजनेसमेन, बड़े बिजनेसमेन से मिलकर डील साइन करेंगे।

ट्रंप प्रशासन को प्रभावित करने वाले चुनाव



अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा मध्यावधि चुनाव हुआ हो, जिस पर दुनिया ने इतना ध्यान दिया हो। इसकी वजह कोई और नहीं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। उनकी पलटू और अटपटी नीतियों ने उनके ही देश द्वारा स्थापित विश्व व्यवस्था में ऐसी उथल-पुथल मचाई है कि हर कोई उनसे निजात पाने की राह देख रहा है। हालांकि इस चुनाव में उनका भाग्य पूरी तरह दांव पर नहीं है। उनका आधा कार्यकाल अभी बाकी है, लेकिन अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस की समूची प्रतिनिधि सभा और सीनेट की एक तिहाई से अधिक सीटों का फैसला इन्हीं चुनावों में होना है। यह चुनाव प्रतिनिधि सभा के चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन के बाद हो रहा है, जिससे ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगभग नौ सीटों पर लाभ होने की आशा है। फिर भी जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार उनकी पार्टी का प्रतिनिधि सभा में तो हारना तय है ही, सीनेट भी हाथ से जा सकती है।

राष्ट्रपतियों की पार्टी ने पिछले 20 मध्यावधि चुनावों में से 18 में प्रतिनिधि सभा की सीटें गंवाई हैं। इस समय ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के पास प्रतिनिधि सभा में मात्र दो सीटों का बहुमत है और सीनेट में तीन सीटों का। इसलिए उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों के लिए ऐसे प्रचार किया है मानो वे स्वयं चुनाव लड़ रहे हों। मतदाताओं से अपील की है कि वे उन्हें ही उम्मीदवार मानकर वोट दें। यही नहीं, उन्होंने भारत के चुनावों की तरह वोटरों को लुभाने के लिए पांच हजार डालर की रेवड़ी बांटने का वादा भी किया है। फिर भी एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार उनके काम से संतुष्टों का दायरा घटकर 31 प्रतिशत पर आ गया है और इतिहास बताता है कि यह आंकड़ा 50 से नीचे गिर जाने पर राष्ट्रपति की पार्टी को प्रतिनिधि सभा में औसतन 37 सीटों का नुकसान होता है। 2018 के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप से संतुष्ट रहने वालों का प्रतिशत 41 पर आ जाने से रिपब्लिकन पार्टी को 40 सीटों का नुकसान हुआ था। विश्लेषकों का अनुमान है कि रिपब्लिकन पार्टी को प्रतिनिधि सभा की कम से कम 15 सीटों का नुकसान तो होना तय है और सीनेट की भी तीन-चार सीटें जा सकती हैं।

कांग्रेस के दोनों सदनों में विपक्ष का बहुमत होने पर राष्ट्रपति के लिए सरकार चलाना कठिन हो जाता है। प्रतिनिधि सभा की सभी संसदीय और स्थायी समितियां विपक्ष के हाथों में चली जाती हैं जो हर विभाग के बजट, खर्च और कर्ज की सीमा निर्धारित करती हैं और विदेशी मामलों की नीतियां बनाती हैं। ये समितियां ट्रंप और उनके मंत्रियों पर जांच बिठा सकती हैं, उन्हें तलब कर सकती हैं और महाभियोग भी चला सकती हैं। राष्ट्रपति को महाभियोग से हटाने के लिए तो सीनेट में दो तिहाई बहुमत चाहिए। इसीलिए एंड्रयू जांसन, बिल क्लिंटन और ट्रंप पर महाभियोग चलाने के बावजूद आज तक किसी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। इस बीच यह भी सुनने में आया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ पर महाभियोग की तैयारी कर रखी है। ट्रंप पर महाभियोग तो शायद ही चलाया जाए, लेकिन उनके तथा उनके परिवार के सदस्यों पर पद का अनुचित लाभ उठाने की और भ्रष्टाचार की जांच बिठाई जा सकती है। मिसाल के तौर पर ट्रंप परिवार की क्रिप्टो कंपनी ने पाकिस्तानी सरकार के साथ उस समय सौदा किया था, जब अमेरिका की क्रिप्टो नीति बन रही थी। कांग्रेस में विपक्ष का बोलबाला होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति अपना पूरा ध्यान विदेश नीति पर लगाते आए हैं। लगता है ट्रंप भी इसकी तैयारी कर चुके हैं। ईरान को समझौते पर मजबूर करने के लिए उन्होंने अपनी सेना पहले ही मैदान में उतार रखी है, ताकि डेमोक्रेट कांग्रेस में चलती लड़ाई को रुकवाने या उसके लिए पैसा रोकने का राजनीतिक जोखिम न उठा सके। इस महीने के उत्तरार्ध में वे एपैक की शिखर बैठक में भाग लेने चीनी शहर शेनजेन जा रहे हैं, जहां रूसी राष्ट्रपति पुतिन के आग्रह पर शी चिनफिंग और पुतिन के साथ बैठकर नई विश्व व्यवस्था पर विचार करेंगे। इसे नई दिल्ली में हुई मोदी-शी-पुतिन शिखर बैठक के जवाब के रूप में भी देखा जा सकता है, मगर लगता है असली उद्देश्य यूक्रेन को पुतिन की शर्तों पर युद्धविराम समझौते के लिए मजबूर करना है। यूरोप में इसे तानाशाही तिकड़ी के उदय के रूप में देखा जा रहा है, जो पूरी दुनिया को अपने-अपने प्रभाव क्षेत्रों में बांट कर मनमानी करना चाहती है।

चीन को जी-2 का सदस्य बताने और शी चिनफिंग के साथ मुलाकातों का सिलसिला बढ़ाने से लगता है कि ट्रंप की दिलचस्पी अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र को चीनी विस्तारवाद से मुक्त रखने से अधिक चीन के साथ लंबित व्यापार सौदा सिरे चढ़ाने में हो गई है। पाकिस्तान के साथ वे अपने और अपने परिवार के निजी आर्थिक हितों के कारण मधुर संबंध रखना चाहते हैं। भारत के लिए यह अच्छी बात नहीं है। उसे अपने सामरिक और आर्थिक रिश्तों के समीकरणों में निरंतर संतुलन बिठाते रहना होगा। भारत में अमेरिका पर भरोसे की कमी का पुराना इतिहास है। उसे दूर करने के लिए हुए गत 25 वर्षों के प्रयासों पर ट्रंप की विशुद्ध लेन-देन परक और पलटू नीतियों ने पानी फेर दिया है। यूरोप और एशिया में अमेरिका के पारंपरिक मित्र देश भारत से भी अधिक स्तब्ध हैं। प्यू शोध केंद्र के द्वारा 35 देशों में किए एक सर्वेक्षण के अनुसार यूरोप और हिंदचीन के अधिकांश देश और इंडोनेशिया अब अमेरिका से अधिक चीन पर भरोसा करने लगे हैं।

कांग्रेस का चुनिंदा विरोधाभासः सीएम माझी

देश की राजधानी नई दिल्ली की सड़कों पर पिछले कुछ समय से मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन एवं नारेबाजी हो रही है। आरोप है कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर हमला हो रहा है और यह संवैधानिक संस्था सरकार के प्रभाव में काम कर रही है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का तर्क है कि कल तक चुनाव आयोग निष्पक्षता का प्रतीक था, लेकिन आज उसकी स्वायत्तता खतरे में है। यह दावा सुनने में भले ही प्रभावशाली लग सकता है, लेकिन निष्पक्षता की मांग करने वालों से यह पूछना भी जरूरी है कि क्या उन्होंने सत्ता में रहते हुए इन्हीं सिद्धांतों का पालन किया था? लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता की असली परीक्षा तब होती है, जब उनके फैसले राजनीतिक दलों की अपेक्षाओं के अनुरूप न हों। लेकिन क्या किसी संस्था की निष्पक्षता का पैमाना चुनावी नतीजों से तय किया जा सकता है? क्या जीत मिलने पर वही प्रक्रिया स्वीकार्य और हार होने पर संदिग्ध हो जाती है? चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस के मौजूदा रुख ने ऐसे ही बुनियादी सवाल खड़े किए हैं।

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर बहस आज से शुरू नहीं हुई है। कांग्रेस के लंबे शासनकाल में भी आयोग की नियुक्तियों, उसकी संरचना और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के अधिकारों को लेकर विवाद उठे थे। वर्ष 1989 में निर्वाचन आयुक्तों के अतिरिक्त पदों का सृजन, 1993 में टीएन शेषन के कार्यकाल के दौरान आयोग की संरचना में बदलाव और 2009 में नवीन चावला की नियुक्ति ऐसे प्रसंग हैं, जिन्हें वर्तमान बहस से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इस पूरे विवाद में एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है कि आरोप और प्रमाण एक ही चीज नहीं हैं। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के एसआइआर की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित मामले में चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। मगर न्यायिक जांच पूरी होने से पहले ही इस्तीफे की मांग को अंतिम निष्कर्ष की तरह पेश करना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।

संविधान के अनुच्छेद 324 ने चुनाव आयोग को चुनाव संबंधित फैसले लेने की जिम्मेदारी दी है। लंबे समय तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा केंद्र सरकार की सलाह पर होती रही। इस व्यवस्था में संसद ने सात दशकों से अधिक समय तक नियुक्तियों की प्रक्रिया निर्धारित करने वाला अलग कानून नहीं बनाया। इस अवधि के बड़े हिस्से में कांग्रेस सत्ता में रही। कांग्रेस नियुक्तियों में सरकारी प्रभाव को लेकर सवाल उठा रही है, तब यह पूछना स्वाभाविक है कि सत्ता में रहते हुए उसने इसे बदलने की पहल क्यों नहीं की। यदि नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार आवश्यक था, तो इसकी जिम्मेदारी उन सभी दलों की थी, जिन्हें लंबे समय तक शासन करने का अवसर मिला। अक्टूबर 1989 में लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले राजीव गांधी सरकार ने दो अतिरिक्त चुनाव आयुक्तों के पद बनाए और एसएस धनोआ एवं वीएस सीगल को नियुक्त किया। नवंबर 1989 में चुनाव के बाद बनी नई सरकार ने कुछ ही सप्ताह में इन दोनों पदों को समाप्त कर दिया। इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल खड़ा किया कि क्या चुनाव आयोग की संरचना में बदलाव संस्थागत जरूरतों के आधार पर किया गया था या सरकार और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के बीच टकराव ने इसमें भूमिका निभाई थी?

लोकतंत्र के नाम पर अलोकतांत्रिक आचरण

चुनाव की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने मुहिम छेड़ रखी है। इसमें काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी जैसे समूह भी सक्रिय हैं। इस अभियान का एक खतरनाक सच तब सामने आया, जब विपक्ष के समर्थकों में से एक प्रशांत भूषण ने सार्वजनिक रूप से कहा कि 'हां, हम देश में रिजीम चेंज चाहते हैं।' विवाद बढ़ने पर विपक्षी दलों ने लीपापोती का काम किया, लेकिन इससे बात बनती हुई नहीं दिखी। रिजीम चेंज कोई सामान्य संकल्पना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है तख्तापलट यानी एक निर्वाचित सरकार या स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को हटाकर एक नई और भिन्न व्यवस्था का प्रवर्तन करना। यह कवायद अक्सर बलपूर्वक, दबाव या बाहरी हस्तक्षेप से होती है, न कि सामान्य चुनावी प्रक्रिया से। इस शब्दावली का इस्तेमाल विदेशी सैन्य कार्रवाई, गुप्त अभियान, प्रतिबंधित या विपक्षी समूहों को समर्थन देकर झटके से सरकार बदलने के संदर्भ में होता है, न कि लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया के लिए। रिजीम चेंज का परिणाम होता है-अराजकता, शक्ति शून्यता, गृहयुद्ध या लंबे समय की अस्थिरता।

जब अमेरिका महाशक्ति के रूप में उभरा तो रिजीम चेंज की संकल्पना उसकी विदेश नीति का एक अहम हिस्सा बन गई। अमेरिका का इतिहास अमेरिकी हितों के प्रतिकूल काम करने वाली सरकारों या स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय नीति रखने वाले देशों में तख्तापलट कराने के उदाहरणों से भरा हुआ है। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस नीति को एक खतरनाक हथियार के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। जो देश विकास की राह पर अग्रसर है, जिनकी सरकारें तथाकथित स्वघोषित वैश्विक ताकतों की जी-हुजूरी न कर स्वतंत्र निर्णय करती हैं, वहां विदेशी ताकतें रिजीम चेंज का सहारा लेती हैं, ताकि ऐसे लोगों को सत्ता में ला सकें, जो भविष्य में उनकी कठपुतली बनें। इसमें एक नैरेटिव और खासकर झूठे नैरेटिव के तहत पर्दे के पीछे से भीड़तंत्र द्वारा लोगों को आक्रोशित करने का प्रयास किया जाता है, जिससे उस देश की सरकार पर दबाव बनाया जा सके। हाल में हुए बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, अल्बानिया आदि देशों में हुए उग्र प्रदर्शनों को सूक्ष्मता से देखें तो इन प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता।

इस समय भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, वैश्विक स्तर पर भारत की बनती ग्लोबल लीडर की छवि तथा भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव स्वाभाविक रूप से कुछ शक्तियों को खटक रहा है। इस संदर्भ में विगत कुछ महीनों में भारत में हुए विरोध-प्रदर्शनों में विदेशी प्रभाव की आशंका को कैसे नकारा जा सकता है। अमेरिकी अरबपति जार्ज सोरोस और उनसे संबंधित एजेंसियों का नाम विशेष रूप से पूर्व सोवियत देशों के कलर रेवोल्यूशन कराने के पीछे कुख्यात रहा है, जिनमें बलपूर्वक रिजीम चेंज कर दिया गया या फिर सरकारों की संरचना ही बदल देने का प्रयास किया गया। सोरोस का मोदी विरोध किसी से छिपा नहीं रहा है। उनकी संस्थाओं ने अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करने से लेकर नागरिकता संशोधन कानून यानी सीसीए के विरोध में हुए प्रदर्शनों को समर्थन दिया था। सोरोस ने 2023 में सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत में लोकतांत्रिक पुनरुत्थान की आवश्यकता है और आने वाले समय में इसका रास्ता खुल सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि कुछ विपक्षी नेता जिस रिजीम चेंज की रट लगा रहे हैं, उसके सूत्रधार सोरोस या उनके जैसे लोग ही हैं क्या?



नगरपालिका अधिनियम में बड़े बदलाव, मेयर को ज्यादा अधिकार; नक्शा और लाइसेंस की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

एजेंसी

पटना। बिहार सरकार ने बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 में संशोधन करते हुए नगर निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था में कई बदलाव किए हैं। नए अध्यादेश के तहत मेयर को सशक्त स्थायी समिति की अध्यक्षता और आपात स्थिति में बिना पूर्व बिहार सरकार ने राज्य के नगर निकायों की कार्यप्रणाली में बदलाव करते हुए बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 में संशोधन किया है। नए अध्यादेश के जरिए नगरपालिकाओं के प्रशासनिक अधिकारों, विज्ञापन व्यवस्था, व्यावसायिक गतिविधियों और भवन निर्माण की स्वीकृति से जुड़े प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य नगर निकायों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाना और लाइसेंस सहित विभिन्न स्वीकृतियों की प्रक्रिया को ऑनलाइन करना है। संशोधन के बाद नगरपालिका में मेयर की भूमिका पहले से अधिक प्रभावी होगी। नगरपालिका की कार्यपालक शक्तियां



सशक्त स्थायी समिति में निहित रहेंगी और मेयर इस समिति के अध्यक्ष होंगे। मेयर की अध्यक्षता में होगी सशक्त स्थायी समिति, महीने में दो बैठकें जरूरी नए अध्यादेश के अनुसार, मेयर सशक्त स्थायी समिति के अध्यक्ष होंगे। नगरपालिका की सभी कार्यपालक शक्तियां इसी समिति में निहित रहेंगी। मेयर को हर महीने समिति की दो बैठकें बुलानी होंगी। सामान्य परिस्थितियों में ये बैठकें महीने के पहले और तीसरे सोमवार को आयोजित की जाएंगी। यदि निर्धारित दिन अवकाश रहता है, तो बैठक के लिए दूसरी तारीख तय की जा सकेगी। अगर मेयर किसी कारण से बैठक बुलाने में असमर्थ रहते हैं, तो उप मेयर समिति की बैठक आमंत्रित कर सकेंगे। इस व्यवस्था के जरिए नगर निकायों के प्रशासनिक कामकाज और निर्णय लेने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने का प्रावधान किया गया है। आपात स्थिति में बिना पूर्व अनुमति काम कराने का अधिकार अध्यादेश में मेयर को आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष अधिकार भी दिए गए हैं। अब संकट की स्थिति में मेयर नगरपालिका बोर्ड या समिति की पूर्व अनुमति के बिना भी जरूरी काम कराने का निर्देश दे सकेंगे। हालांकि, ऐसे कार्यों की जानकारी 15 दिनों के भीतर संबंधित समिति या बोर्ड को देना अनिवार्य होगा। वहीं, निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। मुख्य नगरपालिका पदाधिकारी को नगरपालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया है। इसके तहत नगर निकाय के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी मुख्य नगरपालिका पदाधिकारी के अधीन काम करेंगे। भवन का नक्शा पास कराने की प्रक्रिया होगी आसान भवन निर्माण से जुड़ी स्वीकृतियों को आसान बनाने के लिए नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत भवन निर्माण योजना स्वतः अनुमोदित हो सकेगी या सक्षम प्राधिकारी से इसकी मंजूरी ली जा सकेगी। इससे भवनों के नक्शे की स्वीकृति की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। अध्यादेश के मुताबिक, सूचीबद्ध वास्तुविदों को सरकार के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही काम करना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भवन योजना से संबंधित सभी जरूरी तकनीकी मंजूरी और अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए गए हैं। दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लाइसेंस ऑनलाइन व्यावसायिक गतिविधियों को आसान बनाने के लिए दुकानों और अन्य गैर-आवासीय प्रतिष्ठानों के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जाएगी। इससे कारोबारी डिजिटल माध्यम से लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे और उन्हें स्वीकृति प्राप्त करने में सहूलियत होगी। नए प्रावधानों के तहत निर्धारित समय सीमा में लाइसेंस शुल्क जमा नहीं करने पर हर महीने अधिकतम एक प्रतिशत तक दंड लगाया जा सकेगा। हालांकि, कुल दंड की राशि किसी भी स्थिति में वार्षिक लाइसेंस शुल्क से अधिक नहीं होगी। विज्ञापन टैक्स की जगह लगेगा विज्ञापन शुल्क अध्यादेश में विज्ञापन से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया गया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद विज्ञापन पर कर लगाने के अधिकारों में हुए बदलाव के मद्देनजर अब विज्ञापन टैक्स की जगह विज्ञापन शुल्क लिया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों, दीवारों, होर्डिंग और बैनर पर विज्ञापन लगाने के लिए लाइसेंस, नियमन और निगरानी की व्यवस्था होगी। इसके अलावा विज्ञापन से जुड़े ढांचों में सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और रखरखाव के निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। इन मानकों का उल्लंघन करने वाली संस्था या व्यक्ति पर अधिकतम पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकेगा। बिना शुल्क विज्ञापन लगाने पर दो से पांच गुना तक जुमार्ना नए नियमों में बिना निर्धारित शुल्क दिए विज्ञापन लगाने पर अलग-अलग परिस्थितियों के हिसाब से जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। सामान्य मामलों में बिना शुल्क विज्ञापन लगाने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था से दोगुना जुमार्ना वसूला जाएगा।

पटना में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा को रॉटविलर ने काटा, जमीन मालिक पर हमला कराने का आरोप



एजेंसी

पटना। पटना के उत्तरी मंदिरी में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा विकास कुमार सिंह को पालतू रॉटविलर कुत्ते ने काट लिया। दारोगा ने जमीन मालिक पर हमला कराने का आरोप लगाया है, जबकि जमीन मालिक ने आरोपों को गलत बताया है। बिहार की राजधानी पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के उत्तरी मंदिरी में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा पर पालतू कुत्ते से हमला कराने का आरोप लगा है। कुत्ते ने दारोगा विकास कुमार सिंह के बाएं हाथ में काट लिया, जिससे वे जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। प्राथमिकी के अनुसार, 24 अक्टूबर को दारोगा को नवीन सिन्हा पथ स्थित सुधा बूथ के पास विवादित जमीन पर निर्माण कार्य होने की सूचना मिली थी। कोर्ट ने इस जमीन पर निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था। सूचना मिलने के बाद दारोगा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चुनाव जिस पर पूरी दुनिया की नजर हैः लड़ाई केवल कांग्रेस में बहुमत की नहीं, नतीजों का असर कई देशों पर पड़ सकता है दारोगा का आरोप है कि जमीन मालिक संजय कुमार उर्फ पिंकू साव ने अपने पालतू रॉटविलर कुत्ते को उन पर हमला करने का इशारा किया। इसके बाद कुत्ते ने उनके बाएं हाथ में काट लिया,हो गए।

पिता के बिजनेस पार्टनर ने किशोरी को किया ब्लैकमेल, शादी तय होते ही वायरल किए

एजेंसी

पटना। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में पिता के बिजनेस पार्टनर पर करीब 17 साल 10 महीने की किशोरी के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगा है। आरोपी राजीव रंजन का पीड़िता के परिवार के साथ वर्ष 2022 से पशु आहार निर्माण इकाई में व्यावसायिक साझेदारी थी। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र के एक गांव से रिश्ते और भरोसे को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पिता के बिजनेस पार्टनर ने कारोबारी संबंधों का फायदा उठाकर परिवार की करीब 17 साल 10 महीने की किशोरी को अपने जाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने किशोरी के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। बाद में इन्हीं के जरिए उसे ब्लैकमेल कर लगातार प्रताड़ित करने लगा। मामला तब और गंभीर हो गया, जब किशोरी का विवाह तय हुआ। आरोप है कि आरोपी ने शादी



तुड़वाने और परिवार को बदनाम करने के इरादे से लड़के वालों के इलाके का एक सोशल मीडिया ग्रुप बनाया और उसमें किशोरी के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो साझा कर दिए। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बिजनेस पार्टनर होने के कारण घर में था आना-जाना पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान नगरनौसा थाना क्षेत्र के बलधा-सरैया गांव निवासी 33 वर्षीय राजीव रंजन के रूप में हुई है। पीड़िता की मां और आरोपी के बीच वर्ष 2022 से व्यावसायिक साझेदारी थी। दोनों पशु आहार निर्माण इकाई चलाते थे। जिस जमीन पर प्लांट स्थापित था, वह आरोपी के नाम पर थी, जबकि प्लांट का प्रबंधन पीड़िता के परिवार के पास था। कारोबार के सिलसिले में आरोपी का परिवार के घर लगातार आना-जाना लगा रहता था। आरोप है कि इसी कारोबारी नजदीकी का फायदा उठाकर राजीव रंजन ने परिवार की किशोरी से जान-पहचान बढ़ाई और धीरे-धीरे उसे अपने झांसे में ले लिया। इसके बाद उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और कथित तौर पर उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। आरोप है कि आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाने के बाद आरोपी किशोरी को लगातार ब्लैकमेल करने लगा। वह सामग्री सार्वजनिक करने और परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित करता था। डर और लोकलाज के कारण किशोरी लंबे समय तक इस बारे में किसी को कुछ नहीं बता सकी। शादी तय होते ही बनाया सोशल मीडिया ग्रुप मामले का खुलासा तब हुआ, जब किशोरी का विवाह तय हो गया। आरोप है कि इसकी जानकारी मिलते ही राजीव रंजन ने शादी तुड़वाने और परिवार को बदनाम करने की साजिश रची। उसने उस इलाके के लोगों के लिए एक स्थानीय सोशल मीडिया ग्रुप बनाया, जहां किशोरी की शादी तय हुई थी। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर उस ग्रुप में किशोरी के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो साझा कर दिए।

प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों का बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। पटना में आज राजनीतिक गतिविधियां तेज रहेंगी। भाजपा अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की पुण्यतिथि पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। वहीं, राजद सांसद सुधाकर सिंह बिहार पुलिस के बड़े अधिकारी के खिलाफ बड़ा खुलासा करेंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नए अध्यक्ष का भी पटना में स्वागत होगा। इसके अलावा किन इलाकों में बिजली गुल रहेगी? पटना में आज का दिन राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से अहम रहने वाला है। भारतीय जनता पार्टी अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसका शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया करेंगे। वहीं शिक्षक, दरोगा, रेडियो ऑपरेटर, सिपाही और बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी आज बड़ा प्रदर्शन करेंगे। पिछले एक महीने से यह लोग गर्दनीबाग में आंदोलन कर रहे हैं। 11 बजे गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास तक मार्च के लिए निकलेंगे। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह बिहार एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन को लेकर प्रेस वार्ता करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नवनियुक्त अध्यक्ष राहुल कुशवाहा का पटना में स्वागत किया जाएगा। दूसरी ओर, परियोजना कार्य के कारण शहर के कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। भारतीय जनता पार्टी आज अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि मनाएगी। इस मौके पर पार्टी की ओर से बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया करेंगे। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। सुबह 11 बजेः गांधी मैदान के पास जुटेंगे बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी गांधी मैदान में बाद अपनी अपनी मांगों को लेकर कई प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थी प्रदर्शन करेंगे। इनमें शिक्षक, दरोगा, रेडियो ऑपरेटर, सिपाही और बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने मार्च का एलान किया है। गांधी मैदान 11 बजे मार्च निकालेंगे। मुख्यमंत्री आवास तक जाने की योजना है। दोपहर 12 बजेः एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन पर सुधाकर सिंह का बड़ा खुलासा बिहार एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह लगातार सवाल उठाते रहे हैं। अब वह उनके खिलाफ बड़ा खुलासा करने जा रहे हैं। इसके लिए सुधाकर सिंह ने आज दोपहर 12 बजे प्रेस वार्ता बुलाई है। माना जा रहा है कि इस दौरान वह कुंदन कृष्णन को लेकर अपनी बात रखेंगे और कई अहम मुद्दों पर जानकारी साझा करेंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नवनियुक्त अध्यक्ष राहुल कुशवाहा आज पटना पहुंचेंगे। उनके आगमन पर पार्टी की ओर से स्वागत की तैयारी की गई है। दोपहर 1:30 बजे पार्टी कार्यालय में स्वागत समारोह आयोजित होगा। इस दौरान राहुल कुशवाहा यूथ विंग की गतिविधियों, संगठन विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना के बारे में जानकारी साझा करेंगे।

ई-बसों का नेटवर्क बढ़ाने की तैयारी, पांच डिविजन में बनेंगे चार्जिंग स्टेशन; पूर्णिया में सुविधा शुरू

एजेंसी

पटना। बिहार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने के लिए बीएसआरटीसी छह डिविजनों में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार कर रहा है। पूर्णिया में चार्जिंग स्टेशन की सुविधा शुरू हो चुकी है, जबकि पटना, गयाजी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में नवंबर के अंत तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। बिहार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने और यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा देने के लिए चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तेजी से तैयार किया जा रहा है।इनमें से पूर्णिया डिविजन में चार्जिंग की सुविधा शुरू हो चुकी है, जबकि पटना, गयाजी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में निर्माण कार्य नवंबर के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पटना और गयाजी में 15 नवंबर तक तैयार होंगे चार्जिंग स्टेशन परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने बताया कि पटना के फुलवारीशरीफ और गयाजी बस डिपो में चार्जिंग स्टेशन का निर्माण 15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। पटना में पहले से ही एक चार्जिंग स्टेशन काम कर रहा है। इसके अलावा बैरिया बस स्टैंड पर भी नया ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाया जा



रहा है। मंत्री ने बताया कि मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर में भी चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य नवंबर के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इसके बाद इन डिविजनों में भी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी। मंत्री दामोदर रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत बिहार को कुल 400 इलेक्ट्रिक बसें मिलने वाली हैं। इनमें से 72 बसें राज्य को मिल चुकी हैं। फिलहाल इन बसों का परिचालन राजधानी पटना के विभिन्न मार्गों पर किया जा रहा है। अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने के लिए प्रत्येक डिविजन के डिपो में 50 ई-बसों की क्षमता के अनुसार आठ-आठ चार्जिंग प्वाइंट लगाए जा रहे हैं।

पति का नाम होने पर भी जाति प्रमाणपत्र मान्य, पटना हाईकोर्ट का महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति का आदेश

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि विवाहित महिला के जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं माना जा सकता। विवाहित महिला अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पटना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं हो जाता। अदालत ने कहा कि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है और प्रमाणपत्र केवल इसकी पुष्टि करने वाला दस्तावेज है। न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की अपील खारिज



करते हुए अनुसूचित जाति महिला वर्ग की अभ्यर्थी डॉ. सुषमा शरण को सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। बीपीएससी की अपील खारिज, नियुक्ति का निर्देश न्यायाधीश मोहित कुमार शाह और न्यायाधीश सौरेंद्र पांडेय की खंडपीठ ने एकलपीठ के पूर्व फैसले को सही ठहराते हुए बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज कर दी। अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह डॉ. सुषमा शरण को अनुसूचित जाति आरक्षण के आधार पर सहायक प्राध्यापक पद पर तत्काल नियुक्ति प्रदान करे। खंडपीठ ने कहा कि जब भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होना अनिवार्य नहीं किया गया था, तो इस आधार पर सहायक प्राध्यापक के 74 पदों पर होनी थी भर्ती यह मामला डॉ. सुषमा शरण की उम्मीदवारी से जुड़ा है। उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में सहायक प्राध्यापक पद के लिए अनुसूचित जाति महिला वर्ग में आवेदन किया था। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 74 पदों पर नियुक्ति होनी थी। इनमें से 13 पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित थे। इन 13 पदों में पांच पद महिला अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित किए गए थे। डॉ. सुषमा शरण का साक्षात्कार 28 फरवरी 2018 को हुआ था। इसके बाद आयोग ने 8 अगस्त 2019 को अंतिम चयन परिणाम जारी या, लेकिन उसमें उनका नाम शामिल नहीं था। पिता की जगह पति का नाम होने पर सामान्य वर्ग में कर दिया था शामिल बिहार लोक सेवा आयोग ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि डॉ. सुषमा शरण के जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज था। आयोग के अनुसार, वर्ष 2018 में नोटिस जारी कर उन्हें पिता के नाम वाला संशोधित जाति प्रमाणपत्र जमा करने का अवसर भी दिया गया था। आयोग का कहना था कि सही दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण उनकी उम्मीदवारी को अनुसूचित जाति वर्ग के बजाय सामान्य यानी अनारक्षित वर्ग में शामिल कर दिया गया। पिता और पति दोनों अनुसूचित जाति वर्ग से वहीं, महिला अभ्यर्थी की ओर से अदालत में दलील दी गई कि भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होने की कोई अनिवार्यता नहीं थी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता और पति दोनों ही अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध रखते हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जाति का निर्धारण जन्म से होता है और प्रमाणपत्र इसका प्रमाण मात्र है।

संक्षिप्त डायरी

गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार का सख्त निर्देश, लंबित मामलों का जल्द करें निष्पादन

एजेंसी

पटना। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रशाखाओं के लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने और सरकारी कार्यों में देरी व लापरवाही रोकने के सख्त निर्देश दिए। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यों के निष्पादन में अनावश्यक देरी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। को गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान गृह (विशेष शाखा), कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय, गृह (आरक्षी शाखा), अभियोजन निदेशालय तथा सैनिक कल्याण निदेशालय की विभिन्न प्रशाखाओं में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान प्रधान सचिव ने विभिन्न प्रशाखाओं में लंबित संचिकाओं और मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मामलों के निष्पादन में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने कहा कि सरकारी कार्यों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने, आपसी समन्वय बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में गृह विभाग के अपर सचिव कुंदन कुमार, विशेष सचिव क्षत्रनील सिंह, संयुक्त सचिव कमल नयन, संयुक्त सचिव अमलेन्दु कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी आदित्य कुमार झा, संयुक्त सचिव मो. शाहनवाज रिजवानी तथा संयुक्त सचिव नवीन चंद्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रशाखाओं के लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने और सरकारी कार्यों में देरी व लापरवाही रोकने के सख्त निर्देश दिए।

बच्चे की चीख सुनते ही मौत से भिड़ गई मां, बच गई मासूम की जान; खुद करंट की चपेट में आकर तोड़ा दम

एजेंसी

पटना। पटना जिले के बिक्रम प्रखंड के अख्तियारपुर गांव में सामुदायिक भवन के लोहे के दरवाजे में करंट उतरने से 44 वर्षीय गीता देवी की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा जख्मी हो गया। सामुदायिक भवन में सफाई के दौरान बिजली का कटा तार लोहे के दरवाजे के संपर्क में आ गया था। हार के पटना जिले के बिक्रम प्रखंड स्थित अख्तियारपुर गांव में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सामुदायिक भवन के लोहे के दरवाजे में करंट उतरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा जख्मी हो गया। बच्चे की चीख सुनकर उसे बचाने दौड़ी मां ने किसी तरह उसकी जान तो बचा ली, लेकिन खुद करंट की चपेट में आ गईं। मृतका की पहचान सहेंद्र दास की पत्नी गीता देवी (44) के रूप में हुई है।लोहे के दरवाजे में उतर आया था करंट जानकारी के मुताबिक, सामुदायिक भवन में सोमवार को साफ-सफाई का काम चल रहा था। इसी दौरान बिजली का एक कटा हुआ तार लोहे के दरवाजे के संपर्क में आ गया। इससे पूरे दरवाजे में करंट प्रवाहित होने लगा। पास में खेल रहा एक बच्चा अनजाने में दरवाजे के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से बच्चा चीखने लगा। बच्चे की आवाज सुनकर गीता देवी उसे बचाने के लिए दौड़ीं। उन्होंने किसी तरह बच्चे को दरवाजे से अलग कर दिया और उसकी जान बचा ली, लेकिन इस दौरान वह खुद करंट की चपेट में आ गईं। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग आनन-फानन में गीता देवी को बिक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, करंट लगने से जख्मी बच्चे का इलाज चल रहा है।हादसे की सूचना मिलने पर बिक्रम पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया। घटना के बाद अख्तियारपुर गांव में मातम पसरा हुआ है। बच्चे को बचाने के दौरान मां की मौत से परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं।

गैस पाइपलाइन ब्लास्ट में कोचिंग संचालक की मौत, बेटी की फीस जमा कर लौट रहे थे घर; परिवार में मचा कोहराम

एजेंसी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में हुए ब्लास्ट में 45 वर्षीय कोचिंग संचालक श्रीनिवास कुमार सिंह की मौत हो गई। वह अपनी बेटी के स्कूल की फीस जमा कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से महज 200 मीटर पहले हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में हुए धमाके ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में 45 वर्षीय कोचिंग संचालक श्रीनिवास कुमार सिंह की मौत हो गई। वह अपनी बेटी के स्कूल की फीस जमा कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से महज 200 मीटर पहले ही हादसे ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। उनकी मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है। पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पूरे मोहल्ले में शोक के साथ घटना को लेकर दहशत का माहौल है। श्रीनिवास कुमार सिंह एक सेवानिवृ सब इंस्पेक्टर के बेटे थे और परिवार के बेहद प्रिय सदस्य थे। वह कोचिंग चलाने के साथ घर की जिम्मेदारियां भी संभालते थे। परिजनों के मुताबिक, घर के छोटे-बड़े कामों से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई तक की जिम्मेदारी वह खुद उठाते थे। रोजमर्रा के काम निपटाने के बाद शाम को कोचिंग में बच्चों को पढ़ाते थे। सोमवार को भी वह अपनी बेटी की स्कूल फीस जमा करने गए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि घर लौटते समय रास्ते में परिजनों ने लापरवाही को बताया हादसे की वजह श्रीनिवास की मौत के बाद परिजनों ने घटना को बड़ी लापरवाही का परिणाम बताया है। उनका कहना है कि सोमवार को हुई इस घटना ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। मृतक के भाई ने बताया कि श्रीनिवास परिवार की हर जरूरत का ध्यान रखते थे। घर के सदस्यों की देखभाल से लेकर उनकी जिम्मेदारियां निभाने तक, हर काम में वह आगे रहते थे। उन्होंने सवाल उठाया कि अब परिवार उनकी कमी कैसे पूरी कर पाएगा। श्रीनिवास की पत्नी इस हादसे से सदमे में हैं। रोते हुए उन्होंने कहा कि परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया है। अब घर और परिवार की जिम्मेदारियां कौन संभालेगा, यह समझ नहीं आ रहा। उनके मुताबिक, श्रीनिवास कोचिंग चलाने से पहले घर के सभी काम करते थे और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा ध्यान रखते थे। शाम को कोचिंग में पढ़ाने जाते थे। पत्नी ने कहा कि इस हादसे से परिवार कभी उबर नहीं पाएगा। परिजनों के मुताबिक, श्रीनिवास बेटी की स्कूल फीस जमा कर-के अपनी स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से करीब 200 मीटर पहले गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में ब्लास्ट हो गया और वह हादसे की चपेट में आ गए। उनकी मौत के बाद से परिवार ही नहीं, पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर दहशत बनी हुई है।

इंडगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अे धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसी की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

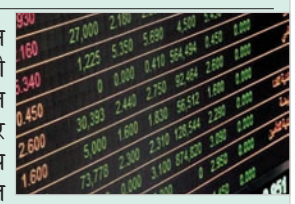
मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी – यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट – अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत, शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।



पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन – इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन्स की टीम : अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए भारत ए की टीम : अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू – ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्यष्ठ्ठ में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।

वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार – मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल – इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक – इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला – मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत – आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया – साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया – मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन – टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे – वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन – आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप – वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।



पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा – न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर – न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज

15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन – रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं।



उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर – रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब – रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज – रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका – भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी केस : करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई, एजेंसी। मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक व्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

चक्रवात मुरासु : ओडिशा में बारिश, 1.60 लाख लोग सुरक्षित

भुवनेश्वर, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश दर्ज हुई है। राज्य सरकार ने किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलाधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखकर दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों से 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल और कालाहांडी सहित कई जिलों से हल्की बारिश की सूचना है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती है। मंत्री पुजारी ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने तक आश्रय स्थलों में ही रहें। मुरासु के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं और मछुआरों की नौकाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने लोगों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया

- हवाई किराए में बेतहाशा वृद्धि और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भड़के सौरभ दास

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हवाई जहाजों के किराए में हुई बेतहाशा वृद्धि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करने के बाद देश में बयानबाजी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता सौरभ दास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि देश की मौजूदा प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने आम नागरिकों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया है। दरअसल, त्योहारी सीजन में कई प्रमुख हवाई मार्गों पर टिकट की दरों में सात सौ फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ए सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की थी कि लोग हवाई यात्रा न करें। सुप्रीम कोर्ट के इस बयान से आहत होकर सौरभ दास ने प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए लिखा कि आम जनता आज चौतरफा समस्याओं से घिरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर जहरीला वायु प्रदूषण है तो सांस मत लो, सड़कों पर गड्ढे हैं तो चलो मत, पेट्रोल महंगा है तो गाड़ियां मत चलाओ, पेपर लीक हो रहे हैं तो परीक्षाएं मत दो और अगर मीडिया समाज को बांट रहा है तो टीवी देखना बंद कर दो। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी में नौकरी मत खोजो, यह पूरी व्यवस्था ही नागरिकों को विवश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हर किसी को विरोध का अधिकार : कोई संगठन अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन स्थल पर कब्जा नहीं कर सकता

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी संगठन किसी निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन इसका इस्तेमाल दूसरे नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना होना चाहिए। प्रदर्शन स्थलों का इस्तेमाल अलग-अलग समूहों को निर्धारित समय और अवधि के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई भी समूह लगातार किसी एक प्रदर्शन स्थल पर कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक संगठन हमेशा वहां मौजूद रहेगा तो किसान, पत्रकार और दूसरे समूह विरोध प्रदर्शन कहां करेंगे? सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, आप हर समय किसी साइट पर कब्जा नहीं कर सकते। किसान, पत्रकार आदि कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। निर्दिष्ट अवधि के लिए निर्दिष्ट समय दिया जाना चाहिए।



सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने या उसे अस्वीकार करने वाले आदेशों में संबंधित अधिकारियों को अपने फैसले के कारण स्पष्ट रूप से बताने चाहिए। अदालत के मुताबिक, किसी एक समूह को प्रदर्शन की अनुमति मिलने का मतलब यह नहीं है कि वह दूसरे समूहों को उसी स्थान पर प्रदर्शन करने से रोक सकता है। सीजेआई ने कहा, आप दूसरे लोगों को नहीं रोक सकते, मैं अब विरोध कर रहा हूं तो आप ऐसा नहीं कर सकते।

अदालत दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के कारण कारोबार और आम लोगों को होने वाली परेशानियों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। ये याचिकाएं व्यापारी संघों की ओर से दायर की गई थीं। याचिकाओं में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित पुलिस बर्बरता, बड़े पैमाने पर हिरासत, मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने और इंटरनेट सेवाओं पर रोक जैसे मुद्दे भी उठाए गए हैं। इसके अलावा प्रदर्शन के कारण कारोबार पर पड़ने वाले असर को लेकर भी चिंता जताई गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी में विरोध प्रदर्शन के अधिकार और आम नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान महिला पत्रकारों पर कथित हमलों और छेड़छाड़ के आरोपों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट अलग से सुनवाई करेगा। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले को अन्य याचिकाओं से अलग रखा जाएगा। इस पर 23 नवंबर को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत को बताया कि उन्होंने एक महिला जज की अध्यक्षता में प्रस्तावित विशेष जांच टीम के गठन के लिए कुछ नाम सीलबंद लिफाफे में सौंपे हैं। यह एसआईटी विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की शिकायतों की जांच करेगी। इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वह इस समिति के गठन को लेकर अदालत के आदेश का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करने की मांग की कि क्या महिला पत्रकारों के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोपों की जांच के लिए अलग से एसआईटी गठित की जाएगी। सुनवाई के दौरान एक अन्य वकील ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान महिला पुलिसकर्मियों पर भी हमले किए जाने के आरोप उठाए। अदालत के समक्ष महिला पत्रकारों और महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी रखे गए।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर, एक विदेशी नागरिक की मौत



नेपाल, एजेंसी।
माउंट एवरेस्ट की ओर जाने वाले मार्ग पर सोलुखुम्बु में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां सोलुखुम्बु हेलीपैड पर लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक विदेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए लुकला ले जाया गया है। नेपाल पुलिस की शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 8:11 बजे हुआ। उस समय फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर लैंडिंग कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच टक्कर हो गई।

घायल को हेलीकॉप्टर से लुकला पहुंचाया

पुलिस के मुताबिक, हादसे में घायल व्यक्ति को प्रभु हेलीकॉप्टर की मदद से लुकला ले जाया गया, जहां उसे उपचार के लिए पहुंचाया गया। फिलहाल मृतक और घायल की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

हादसे के कारणों की जांच का इंतजार

शुरूआती पुलिस जानकारी में लैंडिंग के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों के टकराने की बात सामने आई है। हालांकि, टक्कर किन परिस्थितियों में हुई और दोनों हेलीकॉप्टरों में कितने लोग सवार थे, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हादसे से जुड़े अन्य विवरण और आधिकारिक अपडेट का इंतजार है।

नवीन पटनायक के गुमशुदा पोस्टर से ओडिशा में सियासी घमासान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजनीति में एक नया सियासी घमासान शुरू हुआ है, जब गंजाम जिले के हिंजिली में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक नवीन पटनायक के गुमशुदा होने के पोस्टर लगे। इस घटना ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी बीजू जनता दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर छेड़ दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं.....आखिर इन पोस्टरों के पीछे कौन है और इसका असली मकसद क्या है? माना जा रहा है कि इन पोस्टरों का संबंध चक्रवात और हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद हिंजिली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व सीएम पटनायक की कथित गैरमौजूदगी से है। पटनायक हिंजिली सीट से विधायक हैं, और उस समय में जब गंजाम जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और राज्य को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था (जिससे 13 लाख लोग प्रभावित हुए थे), उनकी क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पोस्टर लगाने वालों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है, और न ही किसी व्यक्ति या संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है, जिससे इसके पीछे का वास्तविक उद्देश्य अस्पष्ट बना हुआ है। इस घटना ने भाजपा और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी को तेज किया है। सत्ताधारी भाजपा पूर्व सीएम पटनायक की हिंजिली में कथित अनुपस्थिति पर लगातार सवाल उठा रही है, जबकि विपक्षी बीजेडी अपने नेता का बचाव कर रही है। बीजेडी का कहना है कि पटनायक ने पार्टी नेताओं और प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से राहत और सामान्य स्थिति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि इन गुमशुदा पोस्टरों के पीछे किसका हाथ है और इसका राजनीतिक या अन्य क्या मकसद है। लेकिन इतना तय है कि हिंजिली में लगे इन पोस्टरों ने ओडिशा की राजनीति में चक्रवात के बाद राहत कार्यों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर एक नई बहस को केंद्र में ला दिया है।

दिल्ली के व्यापारियों का फूटा गुस्सा, सीटीआई ने पुलिस कमिश्नर को लिखा पत्र; भैया दूज तक रैलियों पर रोक की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिवाली से पहले दिल्ली में लगातार हो रहे धरने-प्रदर्शनों और रैलियों को लेकर व्यापारियों ने नाराजगी जताई है. चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर 11 नवंबर यानी भैया दूज तक राजधानी में रैलियों और धरना-प्रदर्शनों की अनुमति नहीं देने की मांग की है. इससे पहले भी कई प्रदर्शनों को रोकने के लिए सीटीआई मांग करती रही है. सीटीआई का दावा है कि पिछले एक महीने में विरोध प्रदर्शनों और रामलीला मैदान में आयोजित महारैली के कारण दिल्ली के व्यापारियों को करीब 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. सीटीआई ने दिल्ली, विशेषकर कनॉट प्लेस, जंतर मंतर, रामलीला मैदान, इंडिया गेट, राजघाट और सेंट्रल दिल्ली के इलाकों में किसी भी तरह के धरने-प्रदर्शन या रैलियों की अनुमति नहीं देने की मांग की है. सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने आंकड़े जारी करते हुए बताया कि व्यापारी पहले ही आर्थिक संकट के दौर



से गुजर रहे हैं और अब वे और नुकसान सहन करने की स्थिति में नहीं हैं.

1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, पटेल चौक और जनपथ पर रोजाना हुए छोटे-बड़े धरनों और प्रोटेस्ट मार्च के कारण सेंट्रल दिल्ली में लगातार जाम की स्थिति बनी रही. इससे रिटेल व्यापार, होटल-रेस्टोरेंट और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को लगभग 3,000 करोड़ रुपये की चपत लगी. 1 नवंबर को रामलीला मैदान में हुई महारैली ने तो व्यापार की कमर ही तोड़ दी. रामलीला मैदान के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, सदर बाजार, करोल बाग और कनॉट प्लेस जैसे प्रमुख बाजारों की करीब 3 लाख दुकानों में से 2.5 लाख दुकानें पूरी तरह बंद रहीं और 80% व्यापार ठप हो गया. धनतेरस और दिवाली से ठीक पहले पीक सीजन के इस दिन सोनीपत, पानीपत, नोएडा, गुड़गांव और फरीदाबाद जैसे 100 शहरों से आने वाले 3-4 लाख ग्राहक पैनिक के कारण दिल्ली नहीं पहुंचे.

रैलियों और प्रदर्शनों के कारण राजधानी का परिवहन और लॉजिस्टिक्स तंत्र पूरी तरह चरमरा गया. रामलीला मैदान के 10 किलोमीटर के दायरे में माल की आवाजाही और लोडिंग-अनलोडिंग ठप होने से ट्रांसपोर्ट सेक्टर को 1,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ. इसके अलावा, सेंट्रल दिल्ली के होटलों और गेस्ट हाउसों में बुकिंग रद्द होने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को 500 करोड़ रुपये की चपत लगी. लाल किला और चांदनी चौक जैसे इलाकों में घरेलू व विदेशी पर्यटक नहीं पहुंच सके. सबसे बड़ी मार इन बाजारों में काम करने वाले 20 लाख कर्मचारियों, लोडरों, ऑटो-ई-रिक्शा चालकों और रेहड़ी-पटरी वाले दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ी, जिनकी रोजी-रोटी मारी गई. बृजेश गोयल ने चेतावनी देते हुए कहा कि 6 नवंबर को धनतेरस, 8 नवंबर को दिवाली और 11 नवंबर को भैया दूज है. आगामी 10 दिन दिल्ली के 20 लाख व्यापारियों और 75 लाख कर्मचारियों के लिए पूरे साल की कमाई का सबसे बड़ा अवसर हैं. यदि अब भी रोजाना रैलियां हुईं, तो दिवाली का व्यापार पूरी तरह चौपट हो जाएगा. उळक की पुलिस कमिश्नर से मुख्य मांगें हैं, 11 नवंबर भैया दूज तक सेंट्रल दिल्ली में किसी भी रैली या प्रोटेस्ट की अनुमति न दी जाए.

ओमान के तट के पास भारतीय जहाज पर हमला, गुजरात के नाविक की मौत

ओमान, एजेंसी।
ओमान के तट के पास भारत के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर अज्ञात हवाई वस्तु से हमला किया गया। इस घटना में गुजरात के एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार 13 अन्य क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्री के मुताबिक, हमले का शिकार हुए जहाज की पहचान टरश अ' ख४२४ के रूप में हुई है। जहाज पर कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। ओमान के तट के पास समुद्री मार्ग से गुजरते समय जहाज को अज्ञात हवाई वस्तु ने निशाना बनाया। हमले में गुजरात के रहने वाले नाविक गंधार नाहिम अजीज गंभीर रूप से



घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई।

ओमान कोस्ट गार्ड ने 13 नाविकों को बचाया

हमले के बाद जहाज पर मौजूद 13 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ओमान कोस्ट गार्ड ने उनका रेस्क्यू किया। केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर नाविक की मौत पर दुख जताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि मंत्रालय और ओमान स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। दोनों मिलकर 13 जीवित नाविकों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और सभी जीवित क्रू मेंबर्स के साथ मृत नाविक के पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने की व्यवस्था कर रहे हैं।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर चिंता

खाड़ी क्षेत्र और उसके आसपास के प्रमुख समुद्री मार्गों पर जारी तनाव का असर भारतीय नाविकों पर भी पड़ा है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और हूती हमलों के बीच इस क्षेत्र से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी 2026 में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद से अब तक कम से कम 22 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है।

चक्रवाती तूफान मुरासु का आंध्र प्रदेश में असर, तेज हवा के साथ कई इलाकों मां भारी बारिश

विजयवाड़ा: चक्रवाती तूफान मुरासु मंगलवार तड़के प्रकाशम जिले में ओंगोल के पास से गुजरते हुए दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट पर पहुँच गया. मौसम विभाग ने कहा कि लैंडफॉल की प्रक्रिया सुबह-सुबह शुरू हुई, जब इस गंभीर चक्रवाती तूफान तट पर प्रवेश किया. मौसम विभाग ने कहा कि अगले 12 घंटों के दौरान दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है. चक्रवाती तूफान मुरासु के तट से टकराने के बाद घने बादलों का बड़ा हिस्सा इस इलाके में सक्रिय रहा जिससे अत्यंत अधिक बारिश हुई. साथ ही इस दौरान 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ़्तार से हवा चली और हवा के झोंके 120 किलोमीटर प्रति तक पहुँच सकते थे. चक्रवाती तूफान मुरासु के असर से विजयवाड़ा के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई. सड़कों पर जलभराव के चलते वाहनों के परिचालन में दिक्कतें आई. बारिश सोमवार देर रात शुरू हुई और मंगलवार सुबह तक जारी रही, जिससे शहर के कई हिस्से भीग गए. लगातार बारिश की वजह से बंदर रोड और पॉलीक्लिनिक रोड समेत मुख्य सड़कों के साथ-साथ वन शहर के कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है. इस बीच गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल की प्रक्रिया करीब दो घंटे तक जारी रही.

यूक्रेन के राहत सामग्री केंद्र और शेल्टर पर रूस ने बरसाए 10 गाइडेड बम; 24 नागरिकों की मौत, मची तबाही

किव, एजेंसी।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में एक बार फिर आम नागरिकों पर बड़ा हमला हुआ है। दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र में एक राहत सामग्री वितरण केंद्र और पास बने शेल्टर पर रूस ने 10 गाइडेड बम गिरा दिए, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच शांति की तमाम कोशिशों को उस वक्त गहरा झटका लगा जब सोमवार को एक मानवीय सहायता केंद्र पर बमबारी कर दी गई। दक्षिणी यूक्रेन के अग्रिम मोर्चे पर सीमित युद्धविराम की मियाद खत्म होते ही रूसी सेना ने हवाई हमले तेज कर दिए। राहत सामग्री लेने पहुंचे बेबस नागरिकों पर हुए इस हमले में भारी जनहानि हुई। वहीं, जमीनी मोर्चे पर हो रही बमबारी के साथ-साथ साइबर स्पेस में भी अप्रत्याशित हमला देखा गया, जिससे दोनों देशों में हड़कंप और असमंजस की स्थिति बन गई।



यूक्रेन की आपातकालीन सेवा और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह भयानक हमला दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र स्थित कोमिशुवाखा गांव में हुआ। यहां एक स्कूल की इमारत में जरूरतमंद लोगों को मानवीय सहायता और राहत सामग्री बांटी जा रही थी और पास में ही एक शेल्टर बना हुआ था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी वायुसेना ने इस नागरिक इलाके पर 10 गाइडेड बम गिराए। इस भीषण हमले में अब तक 24 लोगों की जान जा चुकी है और इमारतें मलबे में तब्दील हो गई हैं। इस हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से साबित करता है कि रूस तनाव घटाने या शांति की दिशा में बढ़ने का कोई इरादा नहीं रखता। जेलेंस्की ने कहा कि जब दोनों देशों के बीच शांति बहाली की हल्की उम्मीदें दिखने लगी थीं, तब इस हमले ने उन प्रयासों पर पानी फेर दिया। उन्होंने दुनिया के देशों से अपील करते हुए कहा कि रूस निदोर्षों की हत्याओं के जरिए यही संदेश दे रहा है कि वह इस युद्ध को और लंबे समय तक खींचना चाहता है।

यह जानलेवा हमला ऐसे नाजुक मोड़ पर हुआ, जब यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन इलाके में लागू सीमित युद्धविराम सोमवार को समाप्त हो गया। इस अल्पकालिक समझौते के तहत दोनों पक्षों ने अग्रिम मोर्चों और रूसी कब्जे वाले संवेदनशील क्षेत्रों में फंसे आम लोगों को सुरक्षित निकालने और मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाने की अनुमति दी थी। लेकिन युद्धविराम की अवधि खत्म होते ही रूसी सेना ने फिर से आक्रामक रुख अपना लिया और विभिन्न इलाकों में कई ड्रोन और मिसाइल हमले किए। जमीनी युद्ध के बीच रविवार देर रात यूक्रेन और सोमवार सुबह रूस में एक अभूतपूर्व साइबर हमला हुआ। अज्ञात हैकर्स ने दोनों देशों के सरकारी इमरजेंसी अलर्ट ऐप्स को हैक कर लिया। इसके बाद नागरिकों के मोबाइल फोन पर सीधे चेतावनी संदेश जाने लगे, जिनमें परमाणु हमला होने, खतरनाक रेडिएशन का स्तर बढ़ने और रासायनिक हथियारों के खतरे जैसी अफवाहें फैलाई गईं। राजधानी कीव में अशांति फैलने की बात भी इन मैसेजों में कही गई थी। ये संदेश अंग्रेजी, रूसी और यूक्रेनी भाषाओं में प्रसारित किए गए थे। रूसी भाषा में भेजे गए एक फर्जी अलर्ट में लिखा गया था कि 'पूरे यूक्रेन पर परमाणु खतरा मंडरा रहा है, लेकिन घबराएं नहीं, ओरेश्निक आ रही है'। ज्ञात हो कि 'ओरेश्निक' रूस की एक उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली है। हालांकि, इन फर्जी संदेशों से यूक्रेन में व्यापक दहशत नहीं फैली और लोगों ने सोशल मीडिया पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी।

राहुल गांधी से मिल, सिद्धारमैया ने स्टिंग वीडियो मामले में जारी जांच पर जाहिर की नाराजगी

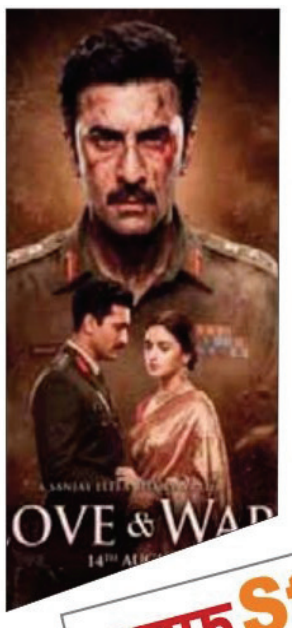
नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर कथित स्टिंग वीडियो मामले में चल रही जांच पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि उनकी ही पार्टी के कुछ नेता उनकी छवि खराब करने वाले मनगढ़ंत वीडियो को बनाने में शामिल हैं।



उन्होंने पुलिस जांच के तरीके पर असंतोष जताया, उनका कहना था कि पुलिस केवल वीडियो अपलोड करने वाले की तलाश कर रही है, जबकि इसके असली निर्माताओं का पता लगाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने इस फैब्रिकेटेड वीडियो को अपनी छवि धूमिल करने की साजिश बताया और राहुल गांधी से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया।

ज्ञात हो कि सितंबर में यूट्यूब पर दो वीडियो अपलोड किए गए थे, जिसमें सिद्धारमैया के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया और मीडिया को उन पर रिपोर्टिंग से रोकने का आदेश प्राप्त किया। साथ ही, उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कर जांच की मांग भी की थी।

हालिया जांच में सामने आया है कि स्टिंग ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन दिल्ली से खरीदा गया था। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रितेश पांडे ने बताया कि विनोद शर्मा और उन्होंने प्रज्वल प्रसाद के निर्देश पर करोल बाग से फोन खरीदा और दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के सरकारी आवास पर प्रज्वल को सौंपा। दिल्ली के निवासी पांडे को 24 अक्टूबर को वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।



'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी, रिलीज डेट भी फाइनल

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार संजय लीला भंसाली ने रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग पूरी कर ली है। लव एंड वॉर एक भव्य रोमांटिक वॉर ड्रामा है, जिसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल पहली बार इस तरह की कहानी में साथ नजर आएंगे। अब तक फिल्म की आधिकारिक झलक सामने नहीं आई है, ऐसे में प्रशंसकों को इसके फर्स्ट लुक, टीजर और ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज के लिए 21 जनवरी, 2027 की तारीख तय की है।

लाइफ Style

तृषा

मनोवैज्ञानिक हॉरर में निभाएंगी मुख्य किरदार

तृषा कृष्णन को आखिरी बार सूर्या अभिनीत फिल्म 'करुप्पू' में देखा गया था। अब उनकी अगली फिल्म पर अपडेट आया है, जो पैनोरमा स्टूडियोज की तमिल मनोवैज्ञानिक हॉरर होगी।

यह स्टूडियो की पहली तमिल भाषा वाली फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री को मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इसे पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा लोकोमोटिव ग्लोबल के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें निर्माता के रूप में कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, सुंदर आरोन, विकास शर्मा और अमित डालमिया शामिल हैं।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक, फिल्म में राधिका सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी सह-कलाकार के रूप में नजर आएंगे। इसका शीर्षक तय होना अभी बाकी है, लेकिन शूटिंग लंदन में शुरू हो चुकी है। निर्माता मंगत ने कहा, तमिल सिनेमा हमेशा से साहसिक, मौलिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानियों का मंच रहा है, और हम चाहते थे कि हमारी पहली तमिल फिल्म भी ठीक इसी भावना को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने विश्वास जताया कि फिल्म दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देगी। तृषा ने हॉरर-कॉमेडी जॉनर में काम किया है, लेकिन यह पहला मौका होगा जब उन्हें बिना नाम वाली इस मनोवैज्ञानिक हॉरर में देखा जाएगा। इसके निर्देशन की कमान राजा कृष्ण मेनन ने संभाली है, जिन्हें अक्षय कुमार की 'एयरलिफ्ट' और ईशान खट्टर की 'पिप्पा' जैसी फिल्मों के लिए जाता जाता है।



हॉलीवुड मसाला



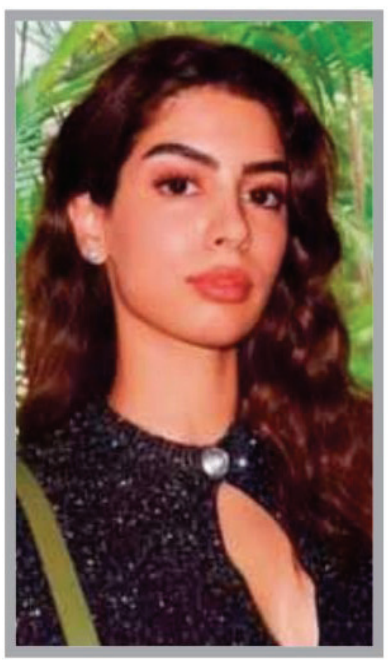
हैरी पॉटर सीरीज का ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। एचबीओ की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'हैरी पॉटर' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। लगभग 25 साल बाद, यह सीरीज दर्शकों को हॉगवर्ट्स की जादुई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है, जिससे पुरानी यादें एक बार फिर ताजा हो जाएंगी। ट्रेलर में नए हैरी पॉटर का किरदार अभिनेता डोमिनिक मैकलॉघलिन ने निभाया है। 'हरमाइन ग्रेंजर' के किरदार में अराबेला स्टैंटन और 'रॉन वीस्ली' के किरदार में अलास्टेयर स्टाउट हैं।



'डिगर' में टॉम ने पहली बार दिखाया अपना सबसे अलग रूप

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज हमेशा से अपनी फिल्मों में हैरतअंगेज एक्शन के लिए जाने जाते हैं। उनके द्वारा खुद फिल्माए गए एक्शन दृश्य दर्शकों को दांत तले उंगली दबाने के लिए मजबूर कर देते हैं, लेकिन इस बार उनका नया अवतार लोगों के होश उड़ाने वाला है। दरअसल, टॉम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डिगर' का ट्रेलर वॉर्नर ब्रदर्स के यूट्यूब चैनल पर जारी हो गया है। यह एक व्यंग्यात्मक ब्लैक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन एलेजांद्रो जी. इनारितु ने किया है। फिल्म में टॉम 'डिगर रॉकवेल' नाम के अमीर और शक्तिशाली तेल कारोबारी के किरदार में हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि उसकी कंपनी के कारनामों की वजह से दुनिया पर एक बहुत बड़ी वैश्विक पर्यावरण आपदा आने वाली है। इस संकट से निपटने के लिए वह खुद एक अजीब और अराजक मिशन पर निकलता है।



खुशी ने मुंबई के बांद्रा में खरीदा अपार्टमेंट

मुंबई। जाह्नवी कपूर की बहन और अभिनेत्री खुशी कपूर ने रियल एस्टेट के क्षेत्र में एक सौदा करके चर्चा बटोरी है। सीआरई मैट्रिक्स द्वारा प्राप्त संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, उन्होंने मुंबई में एक आवासीय अपार्टमेंट खरीदा है, जो बांद्रा पश्चिम में 25वीं रोड पर स्थित समतादीप बिल्डिंग में मौजूद है। अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 180 वर्ग फुट और बिल्ट-अप एरिया 216 वर्ग फुट बताया जा रहा है। इसके लिए लेनदेन 1 सितंबर, 2026 को पंजीकृत किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह सौदा फारूक छागला के साथ किया गया है। अपार्टमेंट खरीदने के लिए खुशी को उन्हें 63 लाख रुपए का मूल्य चुकाना पड़ा, जिसमें 3.15 लाख रुपए स्टांप शुल्क भी शामिल है।



चिरंजीवी की 'काका' का हैदराबाद में पड़ाव

मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी और निर्देशक बॉबी कोल्ली अपनी नई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'काका' की शूटिंग का एक बड़ा और अहम शेड्यूल हैदराबाद में शुरू करने जा रहे हैं।

निर्माताओं ने सेट से एक तस्वीर साझा करके इसकी जानकारी दी है। फिल्म को तय समय पर पूरा करने के लिए शूटिंग का ये चरण बेहद खास माना जा रहा है।

चिरंजीवी और बॉबी कोल्ली अपनी नई एक्शन थ्रिलर 'काका' के साथ एक बार फिर बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। 2026 की सुपरहिट फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू' के बाद इस हिट जोड़ी की ये एक साथ दूसरी फिल्म है। फिल्म को संक्रांति के खास मौके पर 13 जनवरी, 2027 को रिलीज करने की योजना है, जिसके लिए पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी साथ-साथ शुरू हो चुका है।

टीवी मसाला



अक्षय नहीं दे पाए पृथ्वीराज चौहान से जुड़े सवाल का जवाब

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने फेमस क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के मंच पर अक्षय कुमार और सैफ अली खान पहुंचे। शो पर दोनों कलाकार अपनी अपकमिंग मूवी 'हैवान' के प्रमोशन के लिए पहुंचे हैं।

'मूनवॉक' में अभिनय का दिखांगे हुनर

मुंबई। मशहूर संगीतकार एआर रहमान अभिनय के क्षेत्र में कदम रखने के लिए तैयार हैं। प्रभुदेवा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'मूनवॉक' में वह अपना अभिनय कौशल दिखाते नजर आएंगे, जिसकी रिलीज तारीख का ऐलान अब हो गया है। रिलीज तारीख के ऐलान मात्र से फैंस की उम्मीदें चरम पर पहुंच चुकी है, क्योंकि वह ऑस्कर पुरस्कार विजेता संगीतकार को अभिनय करते देखेंगे। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म दिवाली, 2026 पर आएगी जिससे एक महा-भिड़त की संभावना बन गई है।

'रामायण' से सामना करने आएगी 'मूनवॉक'

दावा किया जा रहा है कि 'मूनवॉक' कॉमेडी, संगीत और डांस को एक जीवंत सिनेमाई उत्सव में सहजता से मिलाने का प्रयास करेगी। इसके 3 गाने 'येथु', 'टिंगा' और 'मैकारेना' रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। जल्द ही रहमान और प्रभुदेवा पर फिल्माया गया चौथा गाना 'मयिले' रिलीज होगा। चूकि फिल्म दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों का रुख कर रही है, इसलिए इसका सामना रणबीर कपूर की 'रामायण' से होगा, जो उसी दौरान भव्य रिलीज को तैयार है।



'मूनवॉक' के साथ दिवाली का मिलेगा तोहफा

मनोज एनएस द्वारा निर्देशित 'मूनवॉक' इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों का रुख कर रही है। निर्माता बिहाइंडवुड्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर ऐलान करते हुए कहा कि यह फिल्म दर्शकों को हंसी और अविस्मरणीय पारिवारिक पलों से भरपूर एक शानदार उत्सव का अनुभव प्रदान करेगी। फिल्म में रहमान एक मजेदार कैमियो करते दिखेंगे और इसका संगीत भी उन्होंने खुद तैयार किया है। प्रभुदेवा के अलावा, फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जो इसमें 16 अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'कालीन भैया' की कहानी: जेल से 'मिर्जापुर' की गद्दी तक, ऐसे स्टार बना गांव का लड़का

मुंबई। 'मिर्जापुर द मूवी' के साथ कालीन भैया बनकर पंकज त्रिपाठी ने अब बड़े पर्दे पर जबरदस्त दस्तक दी है, लेकिन इस रुतबे के पीछे संघर्ष की एक अनकही कहानी है। बिहार के गांव से निकले पंकज कभी छात्र राजनीति के दौरान हफ्ते भर जेल में बंद रहे, जहां उन्होंने जिंदगी और इंसानों को गहराई से समझा। पंकज का सफर साबित करता है कि सच्चा हुनर एक न एक दिन अपना रास्ता बना ही लेता है। एक नजर उनके सफरनामा पर।

'कालीन भैया' बनने का वो अनकहा दर्द

एक दौर वो भी था, जब पंकज अपने घर के उस खास कोने में फोन टिकाकर रखते थे जहां सबसे तेज नेटवर्क आता था, ताकि कोई कॉल छूट न जाए। वो कास्टिंग निर्देशकों और सहायक निर्देशकों के फोन का घंटों इंतजार करते, पर दिन बीत जाते थे और घंटी बजती ही नहीं थी। नेटवर्क ढूंढते उस बेबस फोन और थमी हुई खामोशी के बीच ही सिनेमा के 'कालीन भैया' की नींव रखी जा रही थी।



7 दिन जेल की बैरक में कटे

कॉलेज के दिनों में पंकज एबीवीपी से जुड़े और एक छात्र आंदोलन के दौरान उन्हें 7 दिन जेल में रहना पड़ा, लेकिन जेल के वही 7 दिन उनकी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। वहां अकेले रहने के दौरान उन्हें खुद को समझने का मौका मिला।

न पिता से मदद, न जेब में पैसे : पंकज के लिए एक्टिंग का सफर आसान नहीं था। रात 11 से सुबह 7 बजे तक वे होटल की रसोई में नौकरी करते थे। इसके बाद सिर्फ 5 घंटे सोकर दोपहर 2 से शाम 7 बजे तक थिएटर की रिहर्सल करते। एक्टिंग की पढ़ाई के लिए पिता से पैसे मिलने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए वो मुफ्त ट्रेनिंग की तलाश में जुटे।

ऐसे हुई कलाकार बनने की शुरुआत

12वीं कक्षा में पंकज ने 'अंधा कुआं' नाटक देखा। अभिनेत्री प्रणीता जायसवाल के अभिनय ने उन्हें इस कदर झकझोरा कि उनकी आंखें भर आईं। यहीं से थिएटर का ऐसा बुखार चढ़ा कि 1994-95 के दौरान पंकज पटना में होने वाले हर नाटक को देखने के लिए साइकिल से निकल पड़ते थे। नाटक देखने का ये सिलसिला ऐसा परवान चढ़ा कि 1996 तक वे सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहे और खुद मंच पर उतरकर एक मंझे हुए कलाकार बन चुके थे।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.